धनबाद
गुरूवार 16.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-144 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-2
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

राजकीय सम्मान के साथ पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को अंतिम विदाई

एसएसपी प्रभात कुमार और उपायुक्त आदित्य रंजन ने दी श्रद्धांजलि और सम्मान ✪ जनाजे में शिरकत की हजारों लोगों ने, सांसद और नेता कुंभनाथ सिंह ने दी श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं): धनबाद कोयलांचल के धरती पुत्र पूर्व मंत्री स्वर्गीय मन्नान मल्लिक को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई हजारों लोगों ने दिया। धनबाद विधानसभा से कई बार विधायक रह चुके स्वर्गीय मन्नान मल्लिक झारखण्ड सरकार में मंत्री भी रह चुके थे। जनता के लोकप्रिय मन्नान मल्लिक ने अपनी अमिट छाप लोगों के दिलों पर छोड़कर जन्नत सिद्धार गए हैं।

स्वर्गीय मन्नान मल्लिक को बुधवार दोपहर उनके हाउसिंग कॉलोनी आवास पर आखिरी सलामी एसएसपी प्रभात कुमार और उपायुक्त आदित्य रंजन ने देते हुए राजकीय सम्मान भेंट किया। सांसद ढुल्लू महतो ने भी पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक निर्विवाद नेता को धनबाद ने खो दिया है। वहीं भाजपा के नेता सह समाजसेवी कुंभनाथ सिंह ने भी अपने समर्थकों के साथ पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को फुलों का गुलदस्ता देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा नेता कुंभनाथ सिंह ने कहा कि यह शोक की घड़ी है। हम उनके परिवार के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मन्नान मल्लिक से उनका अच्छा संबंध था। उन्होंने कहा कि सबके दुख-सुख में मन्नान मल्लिक हाजिर रहते थे। दलगत भावना से उठ कर वे लोगों का सहयोग करते थे। वहीं उनके परम मित्र कांग्रेस के पूर्व चाणक्य उद्योगपति सह कांग्रेस के वरिष्ट राजेन्द्र कुमार गुप्ता और उनका पुत्र अपूर्व गुप्ता ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजेन्द्र कुमार गुप्ता से पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक का खास मित्रोंवाला पारिवारिक संबंध था। स्वर्गीय मल्लिक के चुनाव में राजेन्द्र कुमार गुप्ता का अहम रोल रहता था। झरिया मेन रोड गुप्ता भवन से मन्नान मल्लिक का आना-जाना रहता था। वहीं मन्नान मल्लिक के निधन पर उनके पार्थिव शरीर को बिहार ऑबजर्वर अखबार के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र कुमार अग्रवाल और बिहार ऑबजर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा ने भी श्रद्धांजलि दी। बिहार ऑबजर्वर अखबार के एमडी राजेन्द्र कुमार अग्रवाल से भी पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक का दोस्ताना संबंध था।

श्री अग्रवाल ने कहा कि एक लोकप्रिय नेता को धनबाद ने खो दिया है। बिहार ऑबजर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा ने कहा कि पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक कोयलांचल के जन-जन में अपनी जगह बना लिए थे। वह भविष्य में भी अच्छे जनप्रतिनिधि के रूप में चर्चित रहेंगे। धनबाद कोर्ट में भी उन्हें अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। स्वर्गीय मल्लिक धनबाद बार में अधिवक्ता के रूप में भी काम कर चुके थे।

पथ निर्माण के लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें: हेमंत सोरेन

रांची (ससे): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड मंत्रालय में में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा पिछले पाँच वर्षों की कार्य योजनाओं, निर्माणाधीन एवं पूर्ण हो चुके कार्यों की विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज एवं पुल-पुलियों से संबंधित परियोजनाओं के स्थिति प्रतिवेदन से अवगत कराया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तुति का गहन अवलोकन करते हुए अधिकारियों को कार्यों में विलंब एवं लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य योजनाओं की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाए। लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। किसी भी परियोजना में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता से किसी प्रकार के समझौते को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उक्त बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख श्री प्रवीण जयंत भेंगरा तथा संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग को सभी परियोजनाओं का अद्यतन एवं सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की स्थिति, लागत, समय-सीमा और प्रगति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध हो, ताकि कार्यों की सटीक निगरानी की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जियो-टैगिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी और निगरानी प्रणाली मजबूत होगी। साथ ही, अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं की समय पर पहचान कर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी निर्माणाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं का अद्यतन विवरण नियमित रूप से उपलब्ध ▸▸ 8

पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, केवल विदेश यात्रा का दस्तावेज: केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने फिर स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह केवल देश से बाहर यात्रा करने के लिए पहचान दस्तावेज है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पासपोर्ट अधिनियम, १९६७ के तहत भारतीय नागरिकों को यह दस्तावेज यात्रा सुविधा के लिए जारी होता है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह एक आधिकारिक दस्तावेज है जिसे गहन जांच और सत्यापन प्रक्रिया के बाद जारी किया जाता है। इसका संचालन पासपोर्ट अधिनियम, १९६७ और पासपोर्ट नियम, १९८० के कड़े प्रावधानों के तहत होता है। जायसवाल ने महत्वपूर्ण आंकड़ा भी साझा किया कि देश के ८ प्रतिशत से भी कम नागरिकों के पास पासपोर्ट है।

इसके पहले, २४ जून को पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भी विदेश मंत्रालय ने बताया था कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं। विदेश मंत्रालय ने २०१३ के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया था, जिसमें पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना गया था। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनहित में आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार पासपोर्ट अधिनियम, १९६७ के तहत किसी गैर-भारतीय नागरिक को भी ▸▸ 8

मदन मित्रा ने ममता का साथ छोड़ा

कोलकाता (ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस के सीनियर लीडर मदन मित्रा ने बुधवार को ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया। वे ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने विधायक पद नहीं छोड़ा है। मदन मित्रा ने कहा कि उन्होंने अभिषेक बनर्जी को कुछ समय के लिए राजनीति से पीछे हटने की सलाह दी थी ताकि पार्टी को फिर से मजबूत किया जा सके, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। मित्रा का आरोप है कि पार्टी डूब रही है और लोगों की जान जा रही है, लेकिन टीएमसी सिर्फ अभिषेक को बचाने में लगी है। उन्होंने ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वे अब इस राजनीतिक दौड़ में आगे बढ़कर दिखाएंगे।

अमेरिका की रूसी तेल खरीद पर सख्ती: भारत सहित 5 देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव

वॉशिंगटन (ईएमएस): अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़ा शिकंजा कसने की तैयारी शुरू की है। अमेरिकी सीनेट में संशोधित बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर १०० प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इस बिल का प्राथमिक उद्देश्य रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि यूक्रेन में उसके युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इस प्रस्तावित बिल के दायरे में भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देश आ सकते हैं, जिन पर १०० प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है, जो इसकी कांग्रेस में पारित होने की संभावना को काफी बढ़ा देता है। यदि यह बिल कानून बनता है, तब अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। ▸▸ 8

विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा की शुरुआत आज से

प्रो मकबूल बोले- अलग रथ क्यों जबकि शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी और आत्मा उसका स्वामी

पुरी (ईएमएस): ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा १६ जुलाई से शुरू होकर २४ जुलाई तक चलेगी। इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव में देश-विदेश से १० लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर पुरी में तैयारियों का दौर अंतिम चरण में हैं, तो वहीं होटल और लॉज महीनों पहले ही पूरी तरह बुक हो चुके हैं। ऐसे में प्रोफेसर डॉ शेख मकबूल इस्लाम की चर्चा भी हो रही है, जो कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक का हवाला देते हुए कहते हैं कि जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं।

विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को लेकर जिला प्रशासन का कहना है, कि इस वर्ष फरवरी से ही होटल बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास स्थित होटलों की सर्वाधिक मांग रही है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़कियां रथयात्रा मार्ग की तरफ खुलती हैं, उनके कमरे सबसे पहले बुक हो गए। जैसे ही मांग बढ़ी वैसे ही किराए में भी भारी उछाल आ गया। सामान्य दिनों में १,५०० से २,००० रुपये प्रतिदिन से मिलने वाले कमरे रथयात्रा के दौरान तीन दिनों के लिए ५० हजार रुपये तक में बुक किए जा रहे हैं। पूरे पुरी शहर में लगभग १,२०० होटल और लॉज हैं, जिनमें अधिकांश पहले से बुक हो चुके हैं।

हावड़ा की रथयात्रा ने खींचा ध्यान

इसी बीच पश्चिम बंगाल के हावड़ा की एक अनोखी रथयात्रा भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। दरअसल यहां न तो विशाल रथ बनाया जाता है और न ही उसे रस्सियों से खींचा जाता है। बल्कि कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब ४०० मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस अनूठी यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग ▸▸ 8

संपादकीय | लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई जरूरी

यह चिंता की बात है कि देश की जेल में बंद होने के बावजूद किसी कैदी पर अपनी आपराधिक गतिविधियां संचालित करने के आरोप लगते हैं और मामला अन्य देशों के दायरे में भी पहुंच जाता है। सरकार को जहां समय रहते इस मसले पर सख्त कदम उठाना चाहिए था, वहां उसने लगातार इस सवाल की अनदेखी की कि जेल में होने के बावजूद कोई कैदी कैसे अपनी मनमानी कर पा रहा है और उसे किसका संरक्षण मिला हुआ है।ऐसे आरोप आम रहे हैं कि कुख्यात अपराधी लारेंस बिश्नोई जेल में बंद होने के बावजूद देश और विदेश में काम कर रहे अपने गिरोह के जरिए हत्या, रंगदारी और फिरौती जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देता रहा है। अब अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में लारेंस बिश्नोई गिरोह को अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी, पंजाबी अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकी तथा पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को अंजाम दिलाने जैसी कई घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि इस संगठित गिरोह के सदस्यों ने अक्सर भारत और विदेश में बसे भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक और राजनीतिक हस्तियों तथा बड़े व्यावसायियों को हिंसा का निशाना बनाया। जाहिर है, लारेंस बिश्नोई की हरकतों के बारे में जितनी भी जानकारी सामने आ सकी है, उस आलोक में अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में आए तथ्य हैरान नहीं करते हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि वह अपनी आपराधिक योजनाएं बनाने से लेकर उन्हें अंजाम देने तक की सुविधाएं कैसे और किसके जरिए हासिल करता रहा। अब

एक अभियान के तहत अमेरिका, कनाडा और स्पेन की कानून प्रवर्तन एजंसियों ने मिल कर जो कार्रवाई की है, उसमें तीन देशों में चौबीस लोगों की गिरफ्तारी की गई और सैंतीस के खिलाफ आरोप तय किए गए। विचित्र यह है कि बिश्नोई की आपराधिक गतिविधियों के लिए किसी अन्य देश में आरोपपत्र तय किए जाते हैं, लेकिन भारत में ऐसी ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई, जिससे जेल में बंद एक कुख्यात कैदी को अपना अपराध-तंत्र संचालित करने से रोका जा सके। बिश्नोई के गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर अपना प्रभाव बढ़ाने और भय पैदा करने के लिए खुलेआम धमकी जारी करते थे, तो उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? गौरतलब है कि कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लारेंस बिश्नोई गिरोह पर लगा था और उसी संदर्भ में भारत और कनाडा के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया था। अब अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपपत्र के बाद सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भारत में पुलिस बिश्नोई को जेल में मोबाइल फोन और इंटरनेट आधारित संचार उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा देने वाले तंत्र का पता लगाए और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। बिश्नोई अगर जेल में बंद रहते हुए भी अपनी आपराधिक योजनाओं को अंजाम दे पाता था, तो उसमें यही पहलू सबसे अहम है कि उसे तकनीकी संसाधन कैसे हासिल हुए और उसे मुहैया कराने तथा आसानी से उसका इस्तेमाल करने की सुविधा उसे किसके संरक्षण में मिलती थी। क्या इसमें सिर्फ संबंधित जेल के कर्मचारियों या अधिकारियों की मिलीभगत थी या फिर उसके तार उच्च स्तर पर कहीं जुड़े थे? उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत में लारेंस बिश्नोई को जेल में एक आम कैदी की तरह ही रखा जाएगा और उस पर भी कानून के सख्त प्रावधान लागू होंगे।

कैसे सुधरेगी शिक्षा व्यवस्था?

शिक्षा का अर्थ केवल किसी विषय के ज्ञान का संग्रह नहीं, बल्कि बौद्धिक कौशल, विश्लेषणात्मक सोच तथा व्यावहारिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताओं का विकास है। इसका जिम्मा शिक्षक के कंधों पर होता है, जो विद्यार्थी के भविष्य का निर्माण करता है। इसके लिए विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की संख्या के बीच सही अनुपात होना भी जरूरी है, क्योंकि इसी से तय होता है कि शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर कैसा होगा।

मगर सरकार के ताजा आंकड़ों पर गौर करें, तो स्थिति चिंताजनक नजर आती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन प्लस' 2025-26 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में एक लाख से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां केवल एक ही शिक्षक तैनात है। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता कैसी होगी। रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वर्ष 2023-24 और 2025-26 के बीच सरकारी विद्यालयों के दाखिले में करीब 86 लाख की कमी दर्ज की गई है।

सरकार के ये आंकड़े न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, बल्कि शिक्षा में समानता पर भी सवाल खड़े करते हैं। जाहिर है कि सरकारी विद्यालयों में

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे ही दाखिला लेते हैं और अगर शिक्षकों की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है, तो यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कर देता है। सरकार का तर्क है कि एक ही शिक्षक के सहारे संचालित किए जा रहे विद्यालयों की संख्या में वर्ष 2025-26 में उससे पहले के वर्ष की तुलना में कुछ कमी आई है, लेकिन क्या यह मामूली सुधार संतोषजनक स्थिति के लिए काफी है?

किसी विद्यालय में एक ही शिक्षक का होना यह दर्शाता है कि सरकार की शिक्षा नीति में खामियां हैं, जिनका खमियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सरकारी विद्यालयों में जहां बच्चों के दाखिले में कमी आ रही है, वहीं वर्ष 2023-24 और 2025-26 के दौरान निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में 88 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी विद्यालयों पर आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है और सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

आज का कार्टून

संविधान के मूल्य और लोकतंत्र की दिशा...

1952 के बाद के सभी चुनाव देखे हैं और वे उस परिवर्तन के साक्षी रहे हैं, जिसमें अपवाद छोड़कर त्याग और जन-कल्याण की संस्कृति को हाशिए पर धकेल दिया गया तथा संग्रहण, लालच तथा स्वार्थ को जमकर बढ़ावा दिया गया। संसद की कार्यवाही प्रारंभिक वर्षों में जिस शालीनता से चलती थी, वह नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय थी। पक्ष-विपक्ष में किसी प्रकार की कटुता या वैमनस्य का कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता था। संविधान विशेषज्ञ डा सुभाष कश्यप ने अपनी एक पुस्तक में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी द्वारा प्रस्तुत एक संशोधन पर उनके और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच संवाद का जिक्र किया है, जो आज के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण समझ प्रदान करता है। जब नेहरू ने राजगोपालाचारी से कहा कि बहुमत मेरे साथ है, तो उन्होंने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि बहुमत आपके साथ है, लेकिन तर्क मेरे साथ है। उसके बाद पंडित नेहरू ने उनके तर्क के आधार पर पूर्ण संशोधन को स्वीकार कर लिया।

जगमोहन सिंह राजपूत

भारत के आजाद होने के बाद देश का स्व-निर्मित संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। इसमें प्रत्येक नागरिक को समानता, समता और गरिमा के साथ जीवन यापन करने के लिए आवश्यक प्रावधान निहित थे। इनके क्रियान्वयन के लिए देश को अपनी संसद की संरचना करने का उत्तरदायित्व मिला। साथ ही हर प्रकार की विविधता से परिपूर्ण संप्रभु राष्ट्र के संचालन और पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी भी मिली। अंग्रेजों के शोषण के कारण देश आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत कठिन स्थिति में था। मगर भारत को उसके परंपरागत ज्ञान, त्याग और वैश्विकता से अलग नहीं किया जा सका था। परिणामस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वतंत्र होने वाले राष्ट्रों में भारत के संविधान ने अपना अग्रणी स्थान बनाया और उसके क्रियान्वयन ने इसे सिद्ध भी कर दिया है। लोकतंत्र में संविधान सत्ता पक्ष को मार्ग दिखाता है और विपक्ष को विकल्पों के साथ सकारात्मक आलोचना के ऐसे अवसर प्रदान करता है, जो उसे सत्ता में वापसी की राह दिखाते हैं।

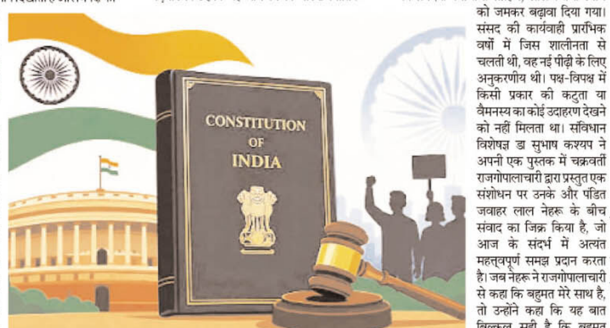

यह अपेक्षित ही है कि सत्ता पक्ष हर समय दोहराता है कि वह निष्ठापूर्वक संविधान का पालन कर रहा है। जबकि विपक्ष इसे नकारता है। कौन सही है- कौन नहीं, इसका फैसला जनता विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में करती रही है। यह राजनीति में शालीनता के स्तर का मापक होता है कि जो चुनाव में विजयी न हो पाए, वह भी विनम्रता से जन-निर्णय को स्वीकार कर ले। मगर इस मामले में हम कमजोर होते जा रहे हैं!

दुर्भाग्य से शालीनता, समता, समादर, सौम्यता, जैसे व्यावहारिक तत्त्व राजनीति में ढूंढ़ पाना लगातार कठिन होता जा रहा है। भारत का संविधान निर्माण करने वाले अधिकांश लोग वे थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी की थी और जो देश को भली-भांति समझते थे। भीम राव आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद की संविधान निर्माण में अग्रणी भूमिका थी। दोनों ही विद्वान और प्रखर अध्येता थे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं संविधान सभा की अंतिम बैठक में इन दोनों के भाषण के कुछ विशेष अंश, जो उनकी दूरदृष्टि की उज्ज्वलता तथा सटीकता को दर्शाते हैं। उनकी चिंताओं ने अब वह स्वरूप ले लिया है, जिसकी आशंका उन्होंने जताई थी। आंबेडकर ने आगाह किया था कि संविधान और उसके बाद की राजनीति दुहाई तो समता और समानता की देगी, लेकिन जो सामाजिक और सांस्कृतिक दूरियां सदियों में पनपी थीं तथा जो सांप्रदायिक दूरियां भारत विभाजन से जन्मी थीं, वे संविधान की व्यवहारिकता को प्रभावित करेंगी।

26 नवंबर, 1949 को राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रहित और जन-कल्याण इस पर निर्भर करेगा कि देश का शासन तंत्र कैसे चलता है और उसे चलाने वाले लोग कैसे हैं। यदि चयनित प्रतिनिधि चरित्रवान और ईमानदार होंगे, तो अनेक कमियों के रहते हुए भी यह संविधान लोक कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकेगा। इससे पहले 25 नवंबर, 1949 को डा आंबेडकर ने आगाह किया था कि संविधान समता और बराबरी पर जोर देगा, लेकिन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में लंबे समय से चल रहे विरोधाभास अनेक अवरोध उत्पन्न करेंगे। ऐसे में संवैधानिक लोकतंत्र को व्यावहारिकता में चल रही अलोकतांत्रिक परंपराओं का सामना करना पड़ेगा! स्पष्ट है कि यह आमजन की और राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी होगी कि इन दूरियों को समाप्त किया जाए। संविधान की आत्मा को समझ कर उसके क्रियान्वयन के लिए जो आवश्यक तत्त्व इन दोनों के भाषणों से निकलते हैं, वे हैं अनुकरणीय नेतृत्व तथा नागरिकों का चयनित नेताओं और उनके चरित्र पर विश्वास बने रहना। प्रारंभ तो सही दिशा में हुआ था, लेकिन सत्ता के आकर्षण से अनेक राजनेता दिग्भ्रमित होते रहे और वे संविधान की मूल भावना से मुंह फेर कर देशहित ही भूल गए।

कठिन समय में भी संविधान ने लोकतंत्र की मूल भावना से अपने समृद्ध होने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। वर्ष 1977 का लोकसभा चुनाव अपने आप में ऐतिहासिक था, देश में पहली गैर-कांग्रेस सरकार बनी, सत्ता हस्तांतरण शांतिपूर्वक और गरिमा के साथ हुआ। जय प्रकाश नारायण के आह्वान पर इंदिरा गांधी के विरोध में जनमत बना, अनेक विरोधी दल साथ आए और कांग्रेस हारी। जो कुछ संवैधानिक व्यवस्था में 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने पर बिखर गया था, वह वर्ष 1977 में सारे विश्व के समक्ष सशक्त होकर उभरा। चुनाव में जनता ने अपने उत्तरदायित्व का आकलन किया और जो पीढ़ियों से कांग्रेस के समर्थक थे, वे भी अपने निर्णय तथ्यों के आधार पर ले सके। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने भारत को पत्र लिखकर बधाई दी और इसे अमेरिकी लोगों समेत समूचे वैश्विक समुदाय के लिए प्रेरणादायक बताया। उस समय राष्ट्रव्यापी स्तर पर सामान्य जन ने अपने मत के महत्त्व और ताकत को पहचाना। मगर वह नवनिर्वाचित लोकसभा केवल ढाई साल ही चल सकी। जो सत्ता में आए, वे स्थिति को संभाल नहीं पाए और देश की जनता ने अगले चुनाव में इंदिरा गांधी को पुनः सत्ता सौंप दी।

देश में एक ऐसी पीढ़ी अभी भी मौजूद है, जिसने वर्ष 1952 के बाद के सभी चुनाव देखे हैं और वे उस परिवर्तन के साक्षी रहे हैं, जिसमें अपवाद छोड़कर त्याग और जन-कल्याण की संस्कृति को हाशिए पर धकेल दिया गया तथा संग्रहण, लालच तथा स्वार्थ को जमकर बढ़ावा दिया गया। संसद की कार्यवाही प्रारंभिक वर्षों में जिस शालीनता से चलती थी, वह नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय थी। पक्ष-विपक्ष में किसी प्रकार की कटुता या वैमनस्य का कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता था। संविधान विशेषज्ञ डा सुभाष कश्यप ने अपनी एक पुस्तक में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी द्वारा प्रस्तुत एक संशोधन पर उनके और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच संवाद का जिक्र किया है, जो आज के संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण समझ प्रदान करता है। जब नेहरू ने राजगोपालाचारी से कहा कि बहुमत मेरे साथ है, तो उन्होंने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि बहुमत आपके साथ है, लेकिन तर्क मेरे साथ हैं। उसके बाद पंडित नेहरू ने उनके तर्क के आधार पर पूर्ण संशोधन को स्वीकार कर लिया।

ऐसे अनेकानेक संदर्भ याद किए जा सकते हैं जो दलगत विचारधारा से ऊपर उठकर देशहित और जनकल्याण के लिए कार्य करने के प्रति प्रेरित करते हैं। आज हम कहां पहुंचे हैं? पहले के दशकों में यह कल्पनातीत था कि कोई राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि विरोध के नाम पर संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाएगा, मगर आज संसद में ऐसे दृश्य अनेक बार देखने को मिल जाते हैं। ऐसे जनप्रतिनिधि जब यह कहते हैं कि वे संविधान का तथा आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद जैसे लोगों का सम्मान करते हैं, तो यह देश की जनता के लिए महज छलावा लगता है। यह याद रखना होगा कि जब तक देशहित और लोक कल्याण की भावना को राजनीतिक विचारधारा एवं निजी स्वार्थ से ऊपर नहीं रखा जाएगा, तब तक संविधान के मूल तत्त्व और लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना आसान नहीं होगा।

मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है मजबूत समाज की नींव

आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो। सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती है और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं। जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है।

एकता कानूनगो बक्षी

युद्ध और सत्ता के संदर्भ में 'कूटनीति' और 'रणनीति' जैसे शब्द भले ही बड़े और जटिल प्रतीत होते हों, पर उनकी असली नींव अक्सर हमारे बचपन में ही रख दी जाती है। जब हम दिनचर्या के छोटे-बड़े लक्ष्य पूरे करने के लिए अपने अनूठे तरीकों का निर्माण कर रहे होते हैं, तब अनजाने में ही हम निर्णय लेने और संबंधों को संतुलित रखने की कला भी सीख रहे होते हैं।

हमारे रोजमर्रा के काम- जैसे जब हम अपने लिए कुछ लेने से पहले आसपास के लोगों की आवश्यकता पूछ लेते हैं, या अपने काम को इस प्रकार करते हैं कि किसी और को उसके कारण असुविधा न हो- वहीं से इस समझ की शुरुआत होती है। जब छोटे-छोटे निर्णयों में हमें दूसरों का खयाल रखना, बांटना और धैर्य रखना सिखाया जाता है, साथ ही हमारे बड़े भी अपने आचरण से सही उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने के मार्ग को केवल उसकी लंबाई या उससे मिलने वाले लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि नैतिकता और व्यापक दृष्टि से देखने लगते हैं। हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। कहने को तो यह आचरण सामान्य शिष्टाचार की श्रेणी में आता है, जो लगभग हर व्यक्ति को बचपन में सिखाया जाता है, लेकिन भविष्य में जब जीवन अपना पूर्ण आकार लेता है और हमारे निर्णयों का प्रभाव पहले से कहीं अधिक व्यापक हो जाता है, तब हमारी कार्य-योजनाओं और निर्णयों को कूटनीति और रणनीति का नाम दे दिया जाता है। जबकि हमारे भीतर बचपन में विकसित हुई वही कोमल संवेदनाएं और आदर्श ही हमारा मार्गदर्शन कर रहे होते हैं। सच यह है कि हमारे व्यक्तित्व के सोचने-समझने की दिशा बचपन में ही चुपके-चुपके तय होती रहती है, जब हमें परिवार से लेकर समाज और हमारे खेलने-कूदने से लेकर लेकर स्कूल तक में व्यवहारों आदि के संदर्भ में सिखाया जाता है। वह हमारा सामाजिक प्रशिक्षण होता है, जिसके जरिए हमारे जीने का ढंग तय होता है और इसके समांतर ही हम अपने सामने घटने वाली घटनाओं को लेकर राय बनाते हैं, अपने भीतर सिंचित आग्रहों के आधार पर उसका आकलन करते हैं।

हां, बाद के दिनों में कुछ परिस्थितियों में अगर हमें अपने स्वतंत्र विवेक के साथ जूझने का मौका मिलता है और हम उसे स्वीकार करके सोचने-समझने की नई दिशा पर भी विचार करते हैं, तब हमारी 'कूटनीतिक' दिशा भी बदल सकती है। कई बार 'कूटनीति' को नकारात्मक अर्थों में देखा जाता है, जिसका वास्तविक कारण मनुष्य के भीतर की दुर्बलता होती है। जब व्यक्ति अपने भीतर आवश्यक जीवन-मूल्यों, आदर्शों और विचारों को पनपने का अवसर नहीं देता, तब उसके निर्णय स्वार्थ, संकीर्ण सोच या भय से प्रेरित होने लगते हैं। ऐसे में परिपक्व विचारों तथा न्यायसंगत और साहसिक योजनाओं की अपेक्षा करना ही अनुचित है। दरअसल, कूटनीति केवल परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने की कला नहीं है, बल्कि यह एक चुनाव भी है- एक ऐसा चुनाव, जहां हम तत्काल लाभ और स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक हित, संतुलन और न्याय को प्राथमिकता देते हैं। यह वही समझ है, जो बचपन की सरल सीखों से विकसित होकर जीवन के जटिल निर्णयों में हमारा मार्गदर्शन करती है। हम किन आदर्शों को लेकर चलते हैं, यही निर्धारित करता है कि हमारे निर्णय किस दिशा में आकार लेंगे और हम कितने दृढ़ बन सकेंगे।

आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो। सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती हैं और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं। जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है।

इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक हो जाता है कि कूटनीति केवल युद्ध और सत्ता का उपकरण मात्र नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और समाज दोनों को परिभाषित करने वाली एक दृष्टि है। सही कूटनीति किसी एक नेता तक सीमित नहीं रहती, वह एक ऐसा पथ-प्रदर्शक विचार बन जाती है, जिसका अनुसरण करने के लिए किसी आदेश की नहीं, बल्कि विश्वास की आवश्यकता होती है।

निस्संदेह, यह यात्रा उसी क्षण आरंभ होती है, जब व्यक्ति अपने प्रत्येक निर्णय में न्याय को चुनने का साहस अपने भीतर जागृत करता है। भले ही इसकी शुरुआत किसी एक व्यक्ति या निर्णय से हो, पर धीरे-धीरे यह पूरी अवाम के चरित्र को प्रभावित करने लगती है।

जब निर्णय भय के प्रभाव में लिए जाते हैं, तब कूटनीति केवल बचाव का साधन बनकर रह जाती है और व्यक्ति अपने ही विवेक से पराजित हो जाता है। वास्तविक और सार्थक कूटनीति वही है, जो तटस्थ और संतुलित दृष्टि के साथ सही कार्य करने का मार्ग दिखाए।

ऐसी कूटनीति न केवल व्यक्ति के चरित्र को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में विश्वास और न्याय की भावना को भी बनाए रखती है। मजबूत समाज की नींव उसके मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है। यही वे आधारभूत स्तंभ हैं, जिन पर सही और न्यायपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। जब समाज अपने इन आदर्शों के प्रति स्पष्ट होता है, तभी उसकी कूटनीति भी संतुलित और दूरदर्शी बनती है।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : झारखंड के पूर्व मंत्री और धनबाद की राजनीति के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक को

संख्या में स्थानीय लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। मन्नान मल्लिक के निधन से

क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई। उनके निधन की खबर से पूरे झारखंड, खासकर धनबाद

सुपुर्दएखाक किया गया। अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रशासन की ओर

जनहित के लिए संघर्ष करने वाले नेता के रूप में याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेताओं के साथसाथ अन्य दलों के नेताओं ने भी कहा कि मन्नान मल्लिक का राजनीतिक और सामाजिक योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से धनबाद ने एक ऐसे जननेता को खो दिया है, जिन्होंने जीवनभर जनता की आवाज को बुलंद किया। मन्नान मल्लिक के निधन से धनबाद की राजनीति में एक

सांसद ढुलू ने दी पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : सांसद ढुलू महतो हाउसिंग कॉलोनी स्थित पूर्व मंत्री दिवंगत मन्नान मल्लिक के आवास पहुंचे। सांसद ने दिवंगत मन्नान के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर श्रद्धासुमन अर्पित किया तथा ईश्वर से आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सांसद ढुलू महतो ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। सांसद ने कहा कि मन्नान मल्लिक राजनीति के एक सादगीपूर्ण, मृदुभाषी, मिलनसार एवं सर्वस्वीकार्य व्यक्तित्व थे। वे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ समन्वय और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते थे। उनका अनुभव, सरल स्वभाव और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री का निधन कोयलांचल की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

धनबाद के वासेपुर स्थित शमशेर नगर कब्रिस्तान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्दएखाक किया गया। उनके जनाजे में कांग्रेस नेताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी

धनबाद की राजनीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है।

करीब पांच दशकों तक सक्रिय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाले मन्नान मल्लिक ने जनहित के मुद्दों को लेकर कई आंदोलन किए और

में शोक की लहर दौड़ गई। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

इसके बाद वासेपुर स्थित शमशेर नगर कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ उन्हें

उपायुक्त व एसएसपी ने पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को दी श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और धनबाद के पूर्व विधायक मन्नान मल्लिक के निधन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सुबह दिवंगत नेता के हाउसिंग कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दुखद घड़ी में उपायुक्त ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक का मंगलवार की सुबह रांची के पल्स अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ शमशेर नगर कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-एखाक किया गया। अंतिम विदाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने नम आंखों से अपने जनप्रिय नेता को विदा किया।

से राजकीय सम्मान दिया गया, जबकि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके व्यक्तित्व और जनसेवा को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उन्हें एक सरल, मिलनसार और ऐसा खालीपन पैदा हुआ है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा। एक जननेता के रूप में उनकी पहचान और जनता के प्रति समर्पण हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा।

पंचवटी मंदिर में अखंड हरि कीर्तन का आयोजन

कालीमेला (ससे) : डुमरी तीन नंबर स्थित पंचवटी मंदिर समिति की ओर से बुधवार से तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। अनुष्ठान के साथ ही मंदिर परिसर में प्रभु का आगमन हुआ। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया है।

समिति के सदस्यों ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान के तहत गुरुवार को गौरेया बाबा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही २४ घंटे का अखंड हरि कीर्तन भी शुरू किया जाएगा। कीर्तन में क्षेत्र के श्रद्धालु भजनकीर्तन में भाग लेंगे। अनुष्ठान का समापन १७ जुलाई, गुरुवार को होगा। अंतिम दिन अखंड कीर्तन के समापन समारोह के अवसर पर खिचड़ी का भोग लगाया जाएगा और उसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

मंदिर समिति ने सभी भक्तों से अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के पदाधिकारी और सदस्य दिनरात जुटे हुए हैं। कमिटी में गोरेलाल पासवान, उमेश प्रसाद, रवि कुमार पासवान, शिव राशन, राजू गिरी, सचिन प्रसाद, बिष्णु पासवान, जनशेवर चौबे, शिव शंकर प्रसाद शामिल थे।

मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की ईमेल से मिली धमकी, खाली कराया गया परिसर

धनबाद (कासं) : धनबाद के मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। डाकघर प्रशासन को एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें साइनाइड गैस बम से मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में दोपहर १ बजे विस्फोट करने की बात लिखी गई थी। धमकी भरा ईमेल मिलते ही डाकघर प्रशासन ने तत्काल एहतियात बरतते हुए पूरे परिसर को खाली करा दिया। डाकघर में मौजूद सभी कर्मचारी और काम से पहुंचे आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस, जिला प्रशासन और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान चलाया।

प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टिकोण से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हैं। पोस्ट मास्टर राजीव कुमार ने बताया कि ईमेल करीब ११ से ११:३० बजे के बीच प्राप्त हुआ। मेल में लिखा गया था कि किसी व्यक्ति का अपमान किए जाने के कारण वह साइनाइड गैस बम से पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाएगा। इसके बाद तत्काल प्रशासन को सूचना दी गई और पूरे कार्यालय को खाली करा दिया गया। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से पूरे परिसर की जांच की। बता दे की इससे पहले भी धनबाद कोर्ट परिसर को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है, जो जांच के बाद अफवाह साबित हुई थी। फिलहाल पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान, आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही है।

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस मुख्यालय, हाउसिंग कॉलोनी स्थित वेलफेयर सोसायटी पार्क परिसर में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मंत्री स्व. मन्नान मल्लिक साहब के जनाजे पर कांग्रेस का झंडा धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने देकर अंतिम विदाई दी और पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखा गया। कांग्रेस नेताओं ने नमन करने के साथ उनका अंतिम दर्शन किया। सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके लंबे राजनीतिक जीवन, जनसेवा, सामाजिक समर्पण एवं कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में दिए गए अतुलनीय योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर धनबाद जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि स्व. मन्नान मल्लिक ने अपना संपूर्ण जीवन जनता की सेवा, सामाजिक सद्भाव और कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने के लिए समर्पित किया। उनका संघर्षपूर्ण जीवन और जनसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

जिलाध्यक्ष ने कहा मन्नान साहब हमारे आदर्श रहे हैं जब धनबाद के जिलाध्यक्ष थें तो कांग्रेस की राजनीति में मेरी इंटीं मन्नान मल्लिक साहब ने कराई थी। मंत्री विधायक पद से उपर उनका कद था।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू ने कहा कि स्व. मन्नान मल्लिक केवल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ही नहीं, बल्कि धनबाद और झारखंड की राजनीति के एक सम्मानित एवं लोकप्रिय जननेता थे। उन्होंने अपने जीवन में सदैव गरीबों, वंचितों और आम लोगों की आवाज़ को मजबूती से उठाया। कांग्रेस परिवार उनके आदर्शों, संघर्ष और सेवा भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लेता है।

श्रद्धांजलि सभा के उपरांत कांग्रेस की परंपरा एवं सम्मान के अनुरूप धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने स्व. मन्नान मल्लिक के पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का ध्वज अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इस भावुक क्षण में उपस्थित कांग्रेसजनों ने नम आंखों से अपने प्रिय नेता को अंतिम प्रणाम किया तथा उनके प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, प्रखंड एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसजन तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्व. मन्नान मल्लिक के अधूरे सपनों को पूरा करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

श्रद्धांजलि सभा में झारखंड के पूर्व अध्यक्ष पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बलमूचू, पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी, पूर्व मंत्री जलेश्वर प्रसाद महतो, पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, एके झा बृजेंद्र प्रसाद सिंह, विजय कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, दिनेश सिंह डगुर, मदन महतो, नवनीत नीरज सहित प्रमुख कांग्रेस जन हजारों की संख्या में उपस्थित थे।

केंदुआ (ससे) : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी (ई) लेबर सेल के महामंत्री अर्जुन पासवान ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मल्लिक साहब बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर के निजी सचिव से उन्होंने सार्वजनिक जीवन की नींव रखी थी।

कई दशकों से अधिक समय तक वे धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष पद पर बने रहे वर्ष २००९ में वे धनबाद विधानसभा से विधायक निर्वाचित हुए और झामुमो की हेमंत सरकार में पशुपालन, मत्स्य पालन और आपदा प्रबंधन मंत्री बनाए गए। 'राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ एवं राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के भी कार्यकारी अध्यक्ष रहे। श्रमिक आन्दोलन से उनका गहरा लगाव था। उनका जीवन श्रमिक हित में नए आयाम को स्थापित किया, उनका चले जाने से धनबाद कोयलांचल के मजदूरों को अपूरणीय क्षति हुई है, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें एवं उनके परिजन को इस दुःख कि घड़ी में धैर्य रखने की शक्ति प्रदान करें।

एलिवेटेड रोड विवाद को लेकर सांसद ढुल्लू व विधायक अरूप ने कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा निकाली

निरसा (ससे) : निरसा में प्रस्तावित एलिवेटेड रोड परियोजना को लेकर सियासी पारा चरम पर रहा।

भाजपा और भाकपा (माले) ने अलगअलग पदयात्राएं और जनसभाएं आयोजित कर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। एक ओर सांसद ढुल्लू महतो समर्थकों के साथ सड़क पर उतरे, तो दूसरी ओर विधायक अरूप चटर्जी ने भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ मार्च निकाला। दोनों कार्यक्रमों के मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती रही। एलिवेटेड रोड निर्माण को लेकर भाजपा की पदयात्रा निरसा कोटा के समीप से शुरू होकर हाथबाड़ी तक पहुंची। पदयात्रा के बाद आयोजित सभा में सांसद ढुल्लू महतो ने परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी बताते हुए राज्य सरकार और स्थानीय विधायक पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अरूप चटर्जी विकास कार्यों में बाधा डाल रहे हैं और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

उधर, भाकपा (माले) विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने निरसा स्थित पार्टी कार्यालय से पदयात्रा निकाली। यह मार्च देवियाना मोड़ के आगे तक गया, जहां सभा आयोजित की गई। अपने संबोधन में विधायक ने एलिवेटेड रोड परियोजना में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया और कहा कि जनता के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना का ठेका भाजपा से जुड़े लोगों को मिला है और निर्माण कार्य में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। दोनों दलों की सभाएं लगभग एक ही समय पर और करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर आयोजित हुई। संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे कार्यक्रम पर वरिष्ठ अधिकारियों की नजर बनी रही. हालांकि, दोनों कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि सांसद ढुल्लू महतो निरसा में राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाघमारा के बाद अब धनबाद के अन्य क्षेत्रों को भी वह निगलना चाहते हैं। प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सूचना प्रशासन को पहले ही दे दी गई थी।

सामुदायिक भवन व पुस्तकालय बनाने की मांग

धनबाद (कासं) : लोकनायक स्मारक समिति, धनबाद के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला परिषद अध्यक्ष से मुलाकात कर शहर में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की स्मृति में एक सामुदायिक भवन और पुस्तकालय के निर्माण की मांग की। समिति ने आग्रह किया कि जिला परिषद के माध्यम से धनबाद में किसी उपयुक्त स्थान पर सामुदायिक भवन और पुस्तकालय की स्थापना की जाए, ताकि आम लोगों, विशेषकर विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को इसका लाभ मिल सके। समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी ११ अक्टूबर से लोकनायक जयप्रकाश नारायण की १२५वीं जयंती वर्ष की शुरुआत हो रही है। ऐसे में उनकी स्मृति में इस तरह की स्थायी व्यवस्था करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।जिला परिषद अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में विजय झा, लाल वर्मा, अरुण राय, जयकिशन, राजेंद्र राही, राजीव रंजन गोगो, धनंजय कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा19 को

धनबाद कासं) : आगामी १९ जुलाई को जिले के ७८ सेंटर पर झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा २०२४ का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर न्यू टाउन हॉल में सभी दंडाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सभी दंडाधिकारियों को समय पर अपने सेंटर में पहुंचने एवं परीक्षा से २ दिन पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अति सावधानी और सतर्क रहकर परीक्षा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। उप विकास आयुक्त ने कहा कि

सभी दंडाधिकारी अपने केंद्र की पूरी जानकारी रखें। सेंटर पर पेयजल, बिजली, साइन बोर्ड, सीटिंग प्लान सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इस मौके पर सिटी एसपी त्विक श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षार्थियों की तलाशी के दौरान पुलिस के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने हर परीक्षार्थी की सघन जांच करने व फर्जी परीक्षार्थी प्रवेश न कर सके, इसलिए अती सावधानी बरतनी का निर्देश दिया। साथ ही परीक्षा से पूर्व केंद्र के शौचालय व अन्य स्थानों की सघन जांच करने के निर्देश दिए।

परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल, कलकुलेटर, डिजिटल डायरी, पेजर, लॉग टेबल, स्मार्ट वॉच सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण लेकर सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए ७८ स्टैटिक दंडाधिकारी, ४३ पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, ९ फ्लाइंग स्क्वायड एवं १०५ ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में लगभग २९९५२ परीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है।परीक्षा का आयोजन तीन शिफ्ट में किया जाएगा। प्रथम शिफ्ट सुबह ८:३० बजे से १०:३० बजे तक, द्वितीय शिफ्ट सुबह ११:३० बजे से दोपहर १:३० बजे तक एवं दोपहर ३:३० बजे से शाम ५:३० बजे तक तृतीय शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की जाएगी। किसी भी परीक्षार्थी को बिना एडमिट कार्ड के प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षार्थी केवल ब्लैक बॉल पॉइंट पेन का इस्तेमाल करेंगे। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में संचालित की जाएगी। सभी सेंटर में मोबाइल फोन जैमर भी रहेंगे। बैठक के दौरान सभी दंडाधिकारियों को उनके दायित्व, परीक्षा केंद्र में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, गश्ती व्यवस्था, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था व अन्य विषयों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। न्यू टाउन हॉल में आयोजित बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, अपर नगर आयुक्त संजीव अनुराग टोपनो, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी, घनश्याम दुबे, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी सहित सभी दंडाधिकारी मौजूद थे।

जिला योजना क्रियान्वयन समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा, कई प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

बोकारो (ससे): बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला योजना क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के अंतर्गत जिला अनाबद्ध निधि से प्राप्त आवंटन तथा प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा की गई। इस क्रम में उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष २५-२६ के तहत लिए गए योजनाओं की प्रगति का भी समीक्षा किया गया।

बैठक के दौरान एनआरईपी, स्पेशल डिवीजन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, तेनुघाट, चास तथा लघु सिंचाई (माइनर इरिगेशन) सहित अन्य एजेंसियों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा सभी कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्राप्त आवंटन का १५ प्रतिशत पेयजल, १५ प्रतिशत शिक्षा, ३० प्रतिशत बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, १५ प्रतिशत सिंचाई, १५ प्रतिशत आजीविका एवं स्वास्थ्य तथा १० प्रतिशत आकस्मिक मद* पर व्यय किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि जिला अनाबद्ध निधि से ली जाने वाली सभी योजनाओं में निर्माण कार्य के साथ-साथ उनके रखरखाव (मेंटेनेंस) का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियां अपने प्राक्कलन में निर्माण कार्य के साथ तीन से पांच वर्षों तक के रख रखाव का प्रावधान भी शामिल करें, ताकि निर्मित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता लंबे समय तक बनी रहे।

उपायुक्त ने जिला योजना पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिला अनाबद्ध निधि से संचालित योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पखवाड़े अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तथा प्रत्येक माह उनके अध्यक्षता में योजनाओं की समीक्षा बैठक सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त कई योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजुमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह, डीपीआरओ श्री रवि कुमार, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित संबंधित एजेंसियों के कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे।

जिला कुश्ती संघ में नये पदाधिकारियों का चयन

डुमरी (ससे): गिरिडीह जिला कुश्ती संघ की कार्यकारिणी की वार्षिक बैठक बुधवार को पंचायत भवन सभागार जामतारा में संपन्न हुई।बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष के निधन होने से रिक्त हुए पद पर नये जिलाध्यक्ष के रूप में डुमरी उपप्रमुख उपेन्द्र महतो को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।वहीं उपाध्यक्ष के पद पर अजय कुमार रजक एवं सरफराज अहमद उर्फ गुड्डु मलिक तथा संयुक्त सचिव पद के लिए नीतीश जायसवाल, रेखा देवी,ऋषभ आनन्द का चयन किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य कुश्ती संघ की जुलाई २०२६ में होने वाली विशेष आमसभा में गिरिडीह जिला का प्रतिनिधित्व संघ के महासचिव युगल किशोर महतो एवं संयुक्त सचिव रेखा देवी करेंगे। यह भी तय हुआ कि जिला संघ के पूर्व सदस्य पूर्ववत सदस्य बने रहेंगे।

चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक

डुमरी (ससे): चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा से जुड़े सदस्यों की एक बैठक बुधवार को पंचायत भवन सभागार जामतारा में हुई। अध्यक्षता मोर्चा के अध्यक्ष लालमणि साव ने किया।बैठक में मुख्य रूप से धनेश्वर विद्यार्थी,जितेन्द्र प्रसाद,चिंतामणि महतो,बिरेन्द्र प्रसाद, टहल साव,निर्मल जायसवाल,मुमताज अंसारी,प्रयाग गोप,अबु बकर आदि उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित आंदोलनकारियों ने चिन्हित आंदोलनकारियों के साथ राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे उपेक्षात्मक रवैये पर नाराजगी जाहिर की साथ ही मानसून विधानसभा सत्र में अपने अपने क्षेत्र के विधायक के माध्यम से अपनी मांगों को विधानसभा पटल पर उठाने का निर्णय लिया गया।बैठक के माध्यम से आंदोलनकारियों ने सरकार से मांग किया कि झारखंड आंदोलनकारियों की जेल जाने की व्यवस्था को समाप्त करते हुए,उत्तराखंड की तरह सम्मान पेंशन राशि एवं आरक्षण तथा अन्य सुविधाएँ दी जाय।

उत्तराखंड राज्य की तरह झारखंड में भी तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी पदों पर आंदोलनकारी के आश्रितों को १० फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिया जाय,उत्तराखंड की तरह कारखंड में भी जेल गये आंदोलनकारियों को ६ हजार और जेल नहीं गये सभी आंदोलनकारियों को ५ हजार सम्मान राशि दी जाय, चिन्हित सभी आंदोलनकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाय।आंदोलनकारियों को २५-२५ लाख का जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा मुहैया कराई जाय तथा सभी चिन्हित आंदोलनकारियों को बस एवं रेल यात्रा निःशुल्क कराई जाय,चिन्हित आंदोलनकारियों के लिए जनप्रतिनिधियों की तरह एक प्रखंड स्तरीय सभागार व बैठक हॉल का निर्माण हर प्रखंड में कराया जाय।

बैठक में टुपलाल महतो, डेगलाल महतो, कुलदीप महतो, मालती देवी,इंद्रदेव महतो, राजेश कुमार,पप्पु कुमार, सावित्री देवी, बैजनाथ महतो, संजय रवानी,सोमर ठाकुर,सोमर महतो,प्रेमचंद महतो,ताराचंद महतो, बालेश्वर महतो,जगरनाथ ठाकुर, मंगरू महतो, रामेश्वर ठाकुर,मोहन साद महतो आदि दर्जनों चिन्हित आंदोलनकारी उपस्थित थे।

बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना का नवीनीकरण

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा समिति द्वारा वर्ष २०२६-२७ के लिए 'बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना' से सम्बंधित सर्कुलर जारी कर दिया गया है. बोकारो स्टील सामूहीक दुर्घटना बीमा वर्ष २०२६-२७ के बीमा व्याप्ति के लिए निविदा प्रक्रिया अपनाई गयी थी जिसमें मेसर्स बजाज जेनरल इंश्योरेंस लिमिटेड का दर सबसे कम होने पर इसके साथ बीमा पॉलिसी के लिए करार किया गया है. वार्षिक बीमा प्रीमियम प्रति व्यक्ति प्रति लाख रूपये के लिए ५६.६४ /- (छप्पन रूपये चौंसठ पैसे) मात्र सभी कर सहित है। बोकारो इस्पात संयंत्र सहित माइंस एवं कोलयरीज में कार्यरत ऑन रॉल सभी कर्मचारी (अधिशासी एवं अनाधिशासी) इस योजना का लाभ ले सकते हैं. इस वर्ष बीमा कवरेज के लिए कर्मचारी के साथ-साथ उनके पत्नी / पति भी पात्र हैं. बीमा अवधि के बीच कम्पनी में नियुक्त नये कर्मचारियों एवं अन्य इस्पात संयंत्र से स्थानान्तरित कर्मचारियों से यथानुपात प्रीमियम राशि की कटौती के बाद वे सामूहिक दुर्घटना बीमा की सदस्यता के पात्र होंगे.

जिन कर्मचारियों द्वारा गत वर्षों/अवधियों में इस योजना से ऑप्ट आउट का आवेदन दिया गया था, वह आवेदन इस वर्ष के योजना के लिये मान्य नहीं होगा. यदि कोई कर्मचारी/ सदस्य इस योजना का लाभ नहीं लेना चाहते हैं, तो ३१ जुलाई २०२६ तक ऑप्ट-आउट का आवेदन समिति द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार कर सकते हैं. अगर किसी कर्मचारी/ सदस्य का दुर्घटना से स्थाई पूर्ण अपंगता होती है, तो दुर्घटना की सूचना दुर्घटना उपरांत बीजीएच, सरकारी अस्पताल या अधिकृत अस्पताल द्वारा चिकित्सा अशक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के २५ दिनों के अंदर तथा किसी कर्मचारी की दुर्घटना से मृत्यु होने के २५ दिनों के अंदर समिति के सचिव को लिखित रूप में विभागीय अधिकारी द्वारा अग्रसारित करवाने के पश्चात् विभागीय डाक या ईमेल द्वारा दिया जा सकता है. योजना की अवधि १३ सितम्बर २०२६ से १२ सितम्बर २०२७ तक रहेगी तथा प्रीमियम की कटौती अगस्त २०२६ माह के वेतन से की जाएगी.

बीमाकृत राशि कर्मचारी के लिए रूपये २५,००,०००/- (पच्चीस लाख रूपये मात्र) है जबकि कर्मचारी के पति अथवा पत्नी के लिए बीमाकृत राशि रूपये ५,००,०००/- (पाँच लाख रूपये मात्र है) । इसके अलावा अन्य सुविधाओं में रूपये ५,०००/- (एम्बुलेंस खर्च) एवं रूपये २०,०००/- (फ्यूनरल खर्च) भी शामिल है. ऑप्ट इन ऑप्शन पति/पत्नी के लिये तथा ऑप्ट-आउट आवेदन, दोनों की अंतिम तिथि ३१ जुलाई २०२६ है. इस बीमा योजना में ऑप्ट-आउट करने के लिये नये आवेदन एचसीएम के द्वारा ही मान्य होंगे.

बोकारो परिसदन में झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति की बैठक संपन्न

बोकारो (ससे): बोकारो परिसदन के सभागार में बुधवार को झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति की बैठक सभापति सह मनिका विधायक रामचंद्र सिंह एवं सदस्य सह सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में विभिन्न विभागों में लंबित अनुकंपा आधारित नियुक्ति, पेंशन प्रकरणों तथा जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा करना था।

बैठक में अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति, पेंशन प्रकरणों के निष्पादन, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति एवं लाभार्थियों तक उनकी प्रभावी पहुंच की विभागवार समीक्षा की गई। इस क्रम में स्थापना उप समाहर्ता ने वर्ष २०२३ से २०२६ तक अनुसंशित कुल ८० मामलों की जानकारी दी। कहा कि कोई भी लंबित मामला* नहीं है।

सभापति रामचंद्र सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने तथा विभागवार अद्यतन प्रतिवेदन अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पवन कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, उप निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रभारी जिला स्थापना पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अतुल कुमार चौबे, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (चास) राम प्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल श्री अमृत, सदर अस्पताल बोकारो के उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह सहित जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की महत्वपूर्ण बैठक

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला अंतर्गत 'ए' श्रेणी में अधिसूचित पर्यटन स्थलों के लिए पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों एवं दिशा-निर्देशों के आलोक में पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन की प्रक्रिया पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान प्राधिकार की संरचना, कार्यों, दायित्वों तथा अधिसूचित पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, प्रभावी प्रबंधन एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएं एवं अभिलेख निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने निर्देशित किया कि प्राधिकार के गठन संबंधी प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु पर्यटन विभाग, झारखंड, रांची को भेजा जाए।

बैठक में इस बात पर भी बल दिया गया कि पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन से जिले के अधिसूचित पर्यटन स्थलों का सुनियोजित एवं सतत विकास सुनिश्चित होगा। इसके माध्यम से पर्यटन स्थलों के बेहतर प्रबंधन, आधारभूत संरचनाओं के विस्तार, पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं के विकास तथा स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी-सह-जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी, गिरिडीह सहित संबंधित अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जामाडोबा के वंचित समुदायों तक पहुँची रोशनी

जोड़ापोखर (ससे) : जामाडोबा स्थित डुंगरी नंबर-०७, जिसे स्थानीय रूप से कुष्ठ कॉलोनी के नाम से जाना जाता है, वहाँ अब शाम ढलते ही अंधेरा नहीं छाता। जहाँ कभी घरों में मिट्टी के तेल के दीयों या अनियमित बिजली के सहारे जीवन चलता था, वहीं अब सौर ऊर्जा से संचालित स्वच्छ एवं विश्वसनीय रोशनी से घर और आसपास का वातावरण जगमगा रहा है। इस बदलाव ने बच्चों को शाम के समय बेहतर माहौल में पढ़ाई करने, परिवारों को सुरक्षित आवागमन करने और लोगों को अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने दैनिक कार्य करने में मदद दी है।

वंचित समुदायों तक विश्वसनीय ऊर्जा समाधान पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत टाटा स्टील फाउंडेशन ने जामाडोबा परिचालन क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक सौर प्रकाश व्यवस्था पहल लागू की है। इस पहल के अंतर्गत डुंगरी नंबर-०७ (कुष्ठ कॉलोनी) में १४ सोलर होम लाइटें स्थापित की गई हैं, जिससे जरूरतमंद परिवारों को बिना रुकावट के रोशनी उपलब्ध हो रही है। वहीं, सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा और आवागमन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कुष्ठ कॉलोनी में ८ सोलर स्ट्रीट लाइटें तथा लाल बंगला हरिजन टोला में १० सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं।

इसके अलावा, सामुदायिक बुनियादी अवसंरचना को और मज़बूत बनाते हुए टाटा स्टील फाउंडेशन ने पूर्णाडी (१२), प्रोजेक्ट ऑफिस के समीप बेलूबाखार (१०), बेलूबाखार (१७), सुयाकनाली (६), पूर्णाडी आमटोला (४), कुष्टांड़ (५) तथा अपर डुंगरी बस्ती (१०) सहित विभिन्न गांवों में कुल ६४ स्ट्रीट लाइटें उपलब्ध कराई हैं। इस प्रकार, इस पहल के अंतर्गत कुल ९६ प्रकाश इकाइयाँ स्थापित या उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे सैकड़ों लोगों को सुरक्षित, विश्वसनीय और पर्यावरण-अनुकूल प्रकाश व्यवस्था का लाभ मिल रहा है।

इस पहल का प्रभाव केवल घरों और सड़कों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव ला रही है। बेहतर रोशनी वाले सार्वजनिक स्थानों से सड़क सुरक्षा में सुधार, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा में वृद्धि, शाम के बाद लोगों की आवाजाही में सुविधा तथा पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता में कमी आने की उम्मीद है।

बिहार के शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन नए स्वरूप में तैयार

हाजीपुर (ससे): देशभर में आधुनिक, सुगम एवं यात्री-केंद्रित रेलवे स्टेशनों के विकास के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को साकार करते हुए, बिहार के शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत व्यापक पुनर्विकास किया गया है। पुनर्विकसित स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी समाहित करता है तथा सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बिहार के साहिबगंज-भागलपुर रेलखंड पर स्थित एनएसजी-५ श्रेणी का शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन, भागलपुर जिले के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क केंद्र है। राष्ट्रीय राजमार्ग-८० के निकट स्थित यह स्टेशन प्रतिदिन हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों एवं व्यवसायियों को महत्वपूर्ण रेल संपर्क उपलब्ध कराता है। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा भारत की सिल्क सिटी के नाम से प्रसिद्ध भागलपुर की निकटता के लिए जाना जाता है, जो अपनी सदियों पुरानी रेशम बुनाई की परंपरा के लिए विश्वविख्यात है। पुनर्विकसित स्टेशन से यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि होगी, क्षेत्रीय आवागमन को गति मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं रोजगार तक लोगों की पहुँच और अधिक सुगम होगी।

विकसित भारत के भारतीय रेल के दृष्टिकोण के अनुरूप, शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत ₹१७.९४ करोड़ की स्वीकृत लागत से पुनर्विकसित किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं का विस्तार, सुगम पहुँच सुनिश्चित करना, सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करना तथा स्टेशन परिसर को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करना है, साथ ही क्षेत्र की स्थानीय पहचान एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

स्टेशन की वास्तुकला को भागलपुर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे यह आधुनिक यात्री सुविधाओं और स्थानीय परंपरा का उत्कृष्ट संगम प्रस्तुत करता है।शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन अब आधुनिक अवसंरचना एवं उन्नत सुविधाओं के साथ यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन सुविधाओं से यात्रियों को बेहतर आराम, सहज आवागमन तथा उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे क्षेत्र की बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं की प्रभावी पूर्ति हो सकेगी।

यात्री सुविधाओं के अतिरिक्त, इस पुनर्विकास से क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति को भी नई गति मिलने की अपेक्षा है। बेहतर रेल संपर्क के माध्यम से स्थानीय व्यापार, कृषि गतिविधियों तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही यह आधुनिक स्टेशन क्षेत्र के निवासियों एवं आगंतुकों के लिए एक आकर्षक एवं स्वागतयोग्य प्रवेश द्वार के रूप में सतत क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा देगा।अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेल की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त, टिकाऊ, भविष्य उन्मुख एवं जीवंत परिवहन केंद्रों के रूप में विकसित करना है, साथ ही उनकी स्थानीय विरासत एवं वास्तुशिल्पीय पहचान को भी संरक्षित रखना है। शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास यात्रियों को विश्वस्तरीय रेल अवसंरचना, सुरक्षित, स्मार्ट एवं आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार

गिरिडीह (ससे): झारखंड कर्मचारी चयन आयोग, रांची द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-२०२४ के सफल, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने परीक्षा कार्य में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा के सफल संचालन में केंद्राधीक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन के दौरान यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो संबंधित नोडल पदाधिकारी से तत्काल संपर्क स्थापित कर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा का सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन सभी पदाधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रत्येक स्तर पर पूरी सतर्कता, पारदर्शिता एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराई जाए, ताकि सभी अभ्यर्थियों को निष्पक्ष एवं समान अवसर उपलब्ध हो सके।

बैठक में बताया गया कि झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-२०२४ का आयोजन १९ जुलाई, २०२६ को तीन पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली प्रातः ८:३० बजे से १०:३० बजे तक, द्वितीय पाली ११:३० बजे से अपराह्न १:३० बजे तक तथा तृतीय पाली अपराह्न ३:३० बजे से ५:३० बजे तक आयोजित होगी। जिले में परीक्षा के लिए कुल २५ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें लगभग ११,४०० परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल, सुरक्षित, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं सुरक्षा संबंधी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक, डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त, श्रीमती स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता, श्री वैभव कुमार सिंह, आईएएस प्रशिक्षु, जिला शिक्षा पदाधिकारी, श्री विनय कुमार, सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक सहित परीक्षा संचालन से जुड़े सभी अधिकारी उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

करंट की चपेट में आने से 2 की मौत

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के पीबी एरिया अन्तर्गत ए टाइप कॉलोनी में विद्युत के चपेट में आने से गृहस्वामनी और नौकरानी का घटना स्थल पर ही मौत होने की सूचना है। पड़ोसियों के अनुसार शोभा सिन्हा पति स्व. नवीन सिन्हा उर्फ टुन्ना उम्र लगभग ५० वर्ष अपने बेटी के घर बेगलुरु से सुबह सात बजे पहुंची। कई महीनों से वह अपनी बेटी के पास रह रही थी। मृतका के पति प्राइवेट बिजली मिस्त्री का काम करते थे। जो कोरोना काल में मौत हो गया था। मृतका का तीन पुत्री है।

महीनों से बंद घर के साफ-सफाई के लिए पुटकी इन्दिरा आवास डोम बस्ती निवासी शांति देवी पति महेन्द्र कालिंदी को बुलाई। मृतका नौकरानी का चार पुत्र और तीन पुत्री है। आशंका जताया जा रहा है कि घर में करंट आने से और पानी के संपर्क में आने से गृहस्वामनी बिजली के चपेट में आ गई, नौकरानी गृहस्वामनी को बचाने के क्रम में बिजली के चपेट में आ गई। बेगलुरु से बेटी के द्वारा फोन नहीं उठाने पर बेटी के द्वारा पड़ोसी को फोन की। पड़ोसी ने बंद दरवाजा को तोड़ कर देखा तो दोनों बेसुध पड़ी हुई थी। तुरंत बिजली कटवाया गया। पुटकी पुलिस को सूचना दिया गया। एस आई अमीत कुमार शव को कैंजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया है। पुलिस ने धनबाद में रह रही मृतका के भतिजी को सूचना दी। भतिजी नेहा सिन्हा ने बेगलुरु फोन कर तीनों बेटियों को घटना की सूचना दिया गया है।

बेटे ने की पिता की हत्या, आरोपी गिरफतार

बलियापुर (ससे) : दोलाबड़ पंचायत भवन के समीप खेरबाड़ी टोला के २८ वर्षीय माथुर गोप द्वारा अपने पिता ५५ वर्षीय विनोद गोप को पीटपीट कर हत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की खबर पाते ही बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार, एसआई अशोक कुमार, एएसआई लाला पासवान समेत पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे।

शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। पुलिस ने हत्या के आरोपी माथुर गोप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अहले सुबह दोलाबड़ पंचायत भवन के पास पुलिस ने मृतक का शव बरामद किया था। मृतक का शव जहां पड़ा था उससे करीब ३० मीटर की दूरी पर सड़क पर खून का धब्बे थे। मृतक के सिर पर चोट के गहरे निशान थे। पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पूछताछ के क्रम में पता चला कि मृतक को उनके ही एकमात्र पुत्र माथुर गोप द्वारा बेहरमी से पिटाई कर देने से मौत हो गई। आरोपी पुत्र माथुर गोप ने मंगलवार की रात करीब साढ़े नौ बजे अपने पिता के साथ मारपीट करने की बातें पुलिस के समक्ष स्वीकार कर लिया है।

मृतक के परिवार में वह स्वयं एवं उनका एकमात्र पुत्र माथुर ही था। बताया जाता है कि पिता पुत्र के बीच हमेशा झगड़ा झंझट होते रहता था। घटना के आरोपी ने पुलिस को बताया कि उनके पिता विनोद गोप घर के स्कूटर एवं साइकिल बेच दी है।

इसी बात को लेकर बीती रात दोनों पिता पुत्र के बीच विवाद हो गया था। जिस स्थान पर खून के धब्बे देखे गए उससे करीब ३० मीटर दूर सड़क के किनारे एक सूनसान घर के पास मृतक का शव मिला। आरोपी ने घटना को अंजाम देने के बाद मृतक का शव को सड़क से हटाकर उक्त स्थान पर फेंक दिया गया। मृतक की साइकिल एवं उनके पुत्र माथुर गोप का चप्पल उक्त सुनसान घर के पास पड़ा था।

आरोपी मृतक अपने साइकिल एवं चप्पल लेने घटना स्थल पर पहुंचा तब लोगों उनपर संदेह हुआ। आरोपी कभी कभार मजदूरी करता था। अक्सर वह नशे की हालत में घूमता फिरता था। मृतक की दो पुत्रियां हैं जो बंगाल अपनी ससुराल में रहती हैं। घटना की खबर पाकर मुखिया सुनीता मल्लिक, मुखिया प्रतिनिधि राकेश मल्लिक, पूर्व पंसस रमेश गोप समेत काफी संख्या में ग्रामीण पहुंचे हुए थे।

इंडिया माइनिंग वीक के कर्टेन रेजर समारोह में सीएमडी ने भी की अपनी सहभागिता

धनबाद (कासं) : भारत के खनन एवं खनिज क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में इंडिया माइनिंग वीक २०२६ के कर्टेन रेज़र समारोह का आयोजन ताज पैलेस होटल, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योग जगत तथा खनन एवं खनिज क्षेत्र से जुड़े प्रमुख हितधारकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे; कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल, कोयला मंत्रालय की अपर सचिव रूपिंदर बरार सहित केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने भी अपनी सहभागिता की।

इस अवसर पर इंडिया माइनिंग वीक २०२६ की रूपरेखा एवं प्रमुख गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। यह आयोजन १५ से १७ नवंबर २०२६ तक यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन का उद्देश्य भारत को खनन एवं खनिज क्षेत्र के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के रूप में स्थापित करना है।

इंडिया माइनिंग वीक २०२६ में नीति-निर्माताओं, सरकारी प्रतिनिधियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों, निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, उपकरण निर्माताओं, शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों तथा अंतरराष्ट्रीय हितधारकों की व्यापक भागीदारी अपेक्षित है। यह आयोजन संवाद, नवाचार, निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

कर्टेन रेज़र समारोह के माध्यम से आगामी इंडिया माइनिंग वीक २०२६ के लिए व्यापक उद्योग सहभागिता का आह्वान किया गया। आयोजन के दौरान खनन क्षेत्र में उभरते अवसरों, सतत विकास, डिजिटल परिवर्तन, कौशल विकास तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग एवं सरकार के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

इंडिया माइनिंग वीक २०२६ से देश के खनन एवं खनिज क्षेत्र में निवेश, तकनीकी नवाचार तथा वैश्विक साझेदारियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह आयोजन भारत की खनन क्षमता, नीतिगत सुधारों और सतत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा।

डिग्वाडीह गणेश पूजा का भूमि पूजन आज

जोड़ापोखर (ससे) : डिग्वाडीह गणेश पूजा समिति की ओर से इस वर्ष आयोजित होने वाली भव्य गणेश पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। पूजा के शुभारंभ से पूर्व गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया जाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, सदस्य, स्थानीय गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

समिति के सदस्यों ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही पूजा पंडाल निर्माण, आकर्षक सजावट और अन्य तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ होगा। इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए विशेष विद्युत सज्जा, भव्य पंडाल, धार्मिक अनुष्ठान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी तैयारी की जा रही है। पूजा की तैयारियों को सफल बनाने में दिनेश यादव, छोटू राम, मोहन यादव, जगजीवन राम सहित समिति के अन्य सदस्य विशेष भूमिका निभा रहे हैं। सभी सदस्य आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए लगातार जुटे हुए हैं।

डिग्वाडीह गणेश पूजा समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से भूमि पूजन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। समिति का विश्वास है कि इस वर्ष भी गणेश पूजा श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में धूमधाम से संपन्न होगी।

बालिका आवासीय विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत तीसरे दिन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बाघमारा की चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के दौरान छात्राओं का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। साथ ही मलेरिया जांच (एमपी टेस्ट), हीमोग्लोबिन एवं रक्तचाप की जांच, दंत परीक्षण, दृष्टि परीक्षण तथा किशोर स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित परामर्श दिया गया। आरबीएसके चिकित्सक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी ने छात्राओं को संतुलित आहार, स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम तथा किशोरावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया।

इस शिविर का आयोजन विगत सोमवार से हुआ है जो कि शनिवार को संपन्न होगा। शिविर में २२५ छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जबकि तीन दिन में कुल ९ सौ छात्राओं की जांच हो चुकी है तथा आवश्यकता अनुसार उन्हें उपचार एवं आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों एवं किशोरियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर समय पर उपचार उपलब्ध कराना तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है।

दून पब्लिक स्कूल में मनाया गया रैनी डे

धनबाद (कासं) : दून पब्लिक स्कूल, कुसुम विहार में नन्हेमुन्ने बच्चों के बीच रैनी डे हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगबिरंगे रेनकोट और आकर्षक छतरियों के साथ वर्षा ऋतु पर आधारित गीत, कविता, नृत्य तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को वर्षा तु के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति प्रेम और जागरूकता का संदेश देना था। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया और पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के डिप्टी डायरेक्टर सुनील कुमार, प्रिंसिपल बिनोद कुमार सिंह, एडमिनिस्ट्रेटर दिव्यांश सिंह, वाइस प्रिंसिपल प्रिय रंजन कुमार तथा ट्रस्ट सदस्य शशांक कुमार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मूनमून सिकदार, रीना कुमारी, सुषमा कुमारी, स्नेहा कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। अंत में बच्चों को रैनी डे की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें प्रकृति के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया गया।

प्रोजेक्ट गर्ल हाई स्कूल में वंदे मातरम कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : वंदे मातरम् के १५० वर्ष पूर्ण होने के मौके पर भारत सरकार के सांसृीतिक मंत्रालय संगीत नाटक अकादमी सीसीआरटी के द्वारा प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय बलियापुर में महाकवि कालिदास जयंती एवं वंदे मातरम् गीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन एचडीईओ स्वाति कुमारी, एडीपीओ आशीष कुमार, बीईईओ रीना कुमारी, एसआई अशोक कुमार, समाजसेवी घनश्याम ग्रोवर, विद्युत चक्रवर्ती, राजेश मुखर्जी, प्रधानाध्यापक भानू प्रताप प्रजापति, संजीत कुमार, नवीन चन्द्र रवानी, विप्लव, सुप्रोदीप सेन गुप्ता, काबलू गोराई, कुमारी सुमिता, मोहम्मद मुबारक अंसारी आदि मौजूद थे। कलाकारों ने नृत्य गीत नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कुमार आजम ने किया।

8 कोयला लोड हाइवा व एक ट्रीपलर जब्त

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के बीएनआर रेलवे साइडिंग से धनबाद डीटीओ के द्वारा औचक छापामारी कर आठ कोयला लोड हाइवा और एक ट्रीपलर को जब्त कर केन्दुआडीह थाना को सुपूर्द किया गया। सूत्रों के अनुसार ऐना कोलियरी से कोयला लोड कर बीएनआर रेलवे साइडिंग तक ट्रांस्पोर्टिंग का काम चलता है। जांच के क्रम में हाइवा के चालक के द्वारा वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। जब्त वाहनों में जेएच १० बीटी ७४०८, जेएच १० ए एस ८२३१, जेएच १० बी क्यु ७६३१, जेएच १० एटी १२७२, जेएच १० बीडी ९२४५, जेएच ०९ के ८३१२, जेएच १० सीजे ६५२९, जेएच १० सी आर ४४०३, जेएच १० बीपी ९२४५ का जब्ती सूची बनाकर केन्दुआडीह थाना को दिया गया है। डीटीओ ने बताया कि जांच में सुरक्षा मानकों और वैध कागजात चालकों के द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। जांच की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा।

रेलवे क़्वार्टर का छज्जा गिरा, महिला गंभीर

धनबाद (कासं) : डीएस कॉलोनी में रहने वाले रेलवे कर्मचारी अलका प्रसाद के मकान का छज्जा भरभरा कर गिर गया। घटना में घर में सो रही ७५ वर्षीय महिला तिलेसरी देवी बुरी तरह घायल हो गयी। घटना के बाद घायल महिला को रेलवे अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

नशा मुक्ति को ले सिंदूरपुर में नुक्कड़ नाटक

बलियापुर (ससे) : सिंदूरपुर पंचायत सचिवालय परिसर में नशामुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कला जत्था टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम नशाखोरी से सामाजिक एवं आर्थिक क्षति के साथसाथ स्वास्थ्य पर हो रहे दुष्प्रभाव को विस्तार ढंग से लोगों को बताया। वहीं अच्छे जीवन जीने के लिए लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पाड्य, मुखिया मनिंदर हांसदा, पंचायत सचिव मो आलम, देबू रजक आदि थे।

चाहरदीवारी निर्माण का शिलान्यास

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर प्रखंड के गोड़तोपा में कब्रिस्तान की चाहरदीवारी निर्माण का शिलान्यास जिप सदस्य सोहराब अंसारी ने समारोह पूर्वक किया। उन्होंने कहा कि एक करोड़ की लागत से इसकी चाहरदीवारी होगी। प्रथम चरण में २५ लाख की स्वीकृति दी गई है। भवन प्रमंडल की देखरेख में काम होगा। कहा कि ग्रामीण लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मुखिया लुकमान अंसारी, अरमान अंसारी, नासिर अंसारी, सलाउद्दीन अंसारी, मौलाना मोसिन, हाजी जमाल, गुड्डू अंसारी, नसीम अंसारी समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

दुर्घटना में बालबाल बचा युवक

पुटकी (ससे) : करकेंदकतरास मुख्य सड़क पर एकड़ा पुल के समीप एक हाईवा ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दिया। हादसे में मोटरसाइकिल का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मोटरसाइकिल सवार गुरू भुइयां कुसुंडा सात नंबर निवासी है। इस दुर्घटना में बालबाल बच गया। टक्कर लगने के बाद वह बाइक से दूर जा गिरा, जिससे उसकी जान बच गई। हाईवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

एसएनएमएमसीएच की बदहाल व्यवस्था का मुख्य सचिव से शिकायत

धनबाद (कासं) : अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने झारखंड मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कि धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था चरम सीमा पर है। इसी बीच अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार गिंदोरिया सरकारी अस्पताल के अधीक्षक होने के बावजूद कैसे एक प्राइवेट नर्सिंग होम चला सकते है, प्राइवेट नर्सिंग होम के वजह से ही वो अस्तपाल में कम और अपने निजी प्राइवेट नर्सिंग होम में ज्यादा ध्यान देते है जिसके वजह से आज एसएनएमएम अस्पताल अपने गरिमा पर आंसू बहा रहा है। जगह जगह गंदगी का अम्बार लगा हुआ है। स्वस्थ व्यवस्था पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, कुछ दिन पूर्व ही अस्पताल को छत का प्लास्टर गिर गया था जिससे बड़ा दुर्घटना घट सकती थी। जिसका सारा जिम्मेवार अस्पताल अधीक्षक है क्योंकि इनके लापरवाही के कारण ही अस्पताल का हालत दिन पर दिन खराब होते जा रही है।

मरीजों को बेहतर इलाज भी नहीं मिल रहा है, रात के समय डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं रहते हैं। ट्रेनिंग नर्स के भरोसे इतना बड़ा अस्पताल को छोड़ दिया जाता है। अधीक्षक मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और यही नहीं अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार गिंदोरिया आज कई वर्षों से एसएनएमएम में जमे हुए हैं और ऐसे लापरवाह अधीक्षक का अविलंब तबादला किया जाना चाहिए जिससे अस्पताल व्यवस्था पर सुधार आ सके।

जिला नगर विकास भूमि क्रय समिति की बैठक संपन्न

धनबाद (कासं) : नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और ठोस अपशिष्ट के निपटारे के लिए नगर निगम द्वारा कलियासोल अंचल में लगभग ४० एकड़ भूमि पर सेनेटरी लैंडफिल निर्माण की योजना है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए भूमि क्रय की प्रक्रिया और अन्य बिंदुओं पर आवश्यक निर्णय लेने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में 'जिला नगर विकास भूमि क्रय समिति' की एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि यह परियोजना धनबाद नगर निगम क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन, पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन, दीर्घकालीन अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक सैनिटरी लैंडफिल के निर्माण की योजना है। उपायुक्त इस समिति के अध्यक्ष हैं। वहीं नगर आयुक्त समिति के सदस्य सचिव हैं। जबकि अपर समाहर्ता, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, निबंधन कार्यालय गोविंदपुर के अवर निबंधक तथा अंचल अधिकारी कलियासोल समिति के सदस्य हैं।उपायुक्त ने बताया कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कलियासोल अंचल में लगभग ४० एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। जहां सेनेटरी लैंडफिल निर्माण की योजना है। इसका सर्किल रेट भी उपलब्ध करा दिया गया है। इस भूमि को खरीदने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक अधियाचना समर्पित की गई है। उपायुक्त ने बताया कि इस भूमि का चयन करने से पहले बीसीसीएल ने ३० वर्षों तक अथवा खनन कार्य की आवश्यकता तक ही ३८ एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की शर्त रखी थी। जो इस परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं थी। वहीं एफसीआई लिमिटेड से ९० एकड़ भूमि का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। लेकिन एफसीआई लिमिटेड ने अत्यधिक राशि की मांग की। जिसके कारण भूमि का क्रय संभव नहीं हुआ। तत्पश्चात बलियापुर अंचल के रघुनाथपुर में १९.३४ एकड़ भूमि नि:शुल्क हस्तांतरित की गई। परंतु कुछ अपरिहार्य कारणों से परियोजना का संचालन नहीं हो सका। तत्पश्चात बलियापुर अंचल के आमझर में १७.८१ एकड़ भूमि नगर निगम को नि:शुल्क हस्तांतरित की गई। जहां वर्तमान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशिष गंगवार, सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, गोविंदपुर के अवर निबंधक मनोजीत प्रसाद, कलियासोल के अंचल अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, नगर निगम के रूपेश कुमार मिश्रा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नागरिक समिति विरोध नहीं करती तो गोविंदपुर में भी बन गया होता ग्रेट सेपरेटर

गोविंदपुर (ससे) : जीटी रोड पर जिस एलिवेटेड सड़क को लेकर धनबाद सांसद ढुलू महतो और निरसा विधायक अरूप चटर्जी में शुरू हुआ वाक् युद्ध अब शक्ति परीक्षण में तब्दील हो गया है, उस एलिवेटेड रोड की जड़ में गोविंदपुर की सामाजिक संस्था नागरिक समिति है। समिति यदि चुप रह जाती तो बरवाअड्डा की तरह गोविंदपुर में भी ग्रेट सेपरेटर फ्लाइओवर बन जाता और गोविंदपुर बाजार दो भागों में बंट जाता।

गिरिडीह रोड और सिंदरी रोड के जंक्शन को देखते हुए गोविंदपुर में ग्रेट सेपरेटर का प्रावधान किया गया था, जबकि निरसा में यह प्रावधान नहीं था। बरवाअड्डा-बराकर डबल लेन के जीटी रोड को फोरलेन में बदलने का काम १९९६ में शुरू हुआ था एवं वर्ष २००१ के जनवरी में राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री बीसी खंडूरी ने बरवाअड्डा में आयोजित समारोह में इस सड़क का उद्घाटन व बरवाअड्डासे बरही तक फोरलेन कार्य का शिलान्यास भी किया था।

वाहनों के भारी दबाव को देखकर मंत्रालय ने वर्ष २००८ में इस सड़क को ६ लेन में बदलने की पहल शुरू की। वर्ष २०११ के दिसंबर माह में बरवाअड्डा-बराकर क्षेत्र के भूमि अधिग्रहण के संबंध में लोक आपत्ति और मंतव्य मांगा गया था। तब नागरिक समिति ने इसका जोरदार विरोध शुरू किया था। समिति का तर्क था कि फोरलेन के दौरान अनेक मकान, दुकान, जल स्रोत आदि नष्ट हो गए।

समिति ने एलिवेटेड रोड के लिए केंद्रीय मंत्री से लेकर एनएचएआई अध्यक्ष, पीडी व डीसी से लगातार पत्राचार किया। इसके बावजूद एनएचएआई अड़ी रही तो अध्यक्ष शरत दुदानी के नेतृत्व में नागरिक समिति ने २०१३ के ६ जुलाई को गोविंदपुर बाजार बंद कराया था।

इसमें तत्कालीन सांसद पीएन सिंह, विधायक फूलचंद मंडल व सभी दलों के नेताओं का समर्थन था। उस समय नागरिक समिति का नारा दिया था, बची रहे गोविंदपुर की पहचान, एलिवेटेड रोड ही एक निदान, एनएचएआई जनभावना का आदर करो, गोविंदपुर में फ्लाईओवर का निर्माण करो। इसके बाद निरसा में भी नागरिक समिति का गठन किया गया और वहां के लोग भी जमीन अधिग्रहण का विरोध करने लगे। विरोध को देखकर एनएचएआई के तत्कालीन पीडी कृष्ण मुरारी ने गोविंदपुर एवं निरसा बाजार इलाके में सिक्सलेन का काम नहीं करने का फैसला लिया था। सांसद पीएन सिंह के माध्यम से गोविंदपुर व निरसा नागरिक समिति केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिली थी। इसके बाद गोविंदपुर और नीरस नागरिक समिति ने इस मुद्दे को जीवित रखा।

वर्ष २०२३ के फरवरी माह से नागरिक समिति गोविंदपुर ने इस मामले को फिर तूल दिया। समिति की अपील पर फरवरी २०२३ से फरवरी २०२४ तक पीएन सिंह ने चार पत्र गडकरी को लिखे थे। उन्होंने पीडी दुर्गापुर को गोविंदपुर व निरसा में एलिवेटेड रोड निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने सर्वेक्षण कराया। फिर डीपीआर बना, परंतु टेंडर की तिथि लगातार टलती रही।

इस बीच गोविंदपुरवासियो की मांग पर २०२४ के नवंबर के अंत में गोविंदपुर सुभाष चौक को प्रशासन ने खोल दिया। इसके साथ ही महाजाम शुरू हो गया। जाम से मुक्ति के लिए अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल के नेतृत्व में समिति २०२४ के १ दिसंबर को सांसद ढुलू महतो के पास गई और टेंडर को फाइनल कराने के लिए मंत्री गडकरी से निवेदन करने का आग्रह किया।

तब लोकसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा था। सांसद ने २ दिसंबर की शाम नागरिक समिति के अध्यक्ष को सूचना दी कि उन्होंने ४ दिसंबर को नितिन गडकरी से नागरिक समिति को मिलाने का समय ले लिया है, परंतु समिति दिल्ली नहीं जा पाई तो सांसद ने खुद मंत्री से मुलाकात की और उसी दिन उन्होंने लोकसभा में भी इस सवाल को प्रमुखता से उठाया। सांसद ने फोन पर मंत्री से नंदलाल अग्रवाल की वार्ता भी कराई। इसके बाद जनवरी २०२५ में मंत्री नितिन गडकरी ने फेसबुक पर गोविंदपुर और निरसा में एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए ११३०.५४ करोड़ स्वीकृत का पोस्ट जारी किया।

सर्किल इंस्पेक्टर ने किया ओपी का निरीक्षण

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी का निरीक्षण केन्दुआडीह सर्किल इंस्पेक्टर जयप्रकाश महतो ने किया। निरिक्षण के क्रम में थाना अभिलेखों का जांच किये। लम्बीत कांडों का समीक्षा किये और जल्द से जल्द निषपादन करने का दिशानिर्देश दिये। थाना परिसर का साफ-सफाइ, रखरखाव पर विशेष ध्यान देने का आदेश दिये। मौके पर मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी, एएसआई शशि रंजन पांडेय, प्रदीप पांडेय, बिपिन बिहारी महतो, जे पी महली आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी को सुलतानपुर एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत

सुलतानपुर (ईएमएस): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में बीजेपी नेता विजय मिश्र को एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। स्पेशल जज राकेश यादव की अदालत ने उनकी निगरानी (रिवीजन) याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। बीजेपी नेता विजय मिश्र ने वर्ष २०१८ में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था।

आरोप है कि राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमा सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में विचाराधीन है। परिवादी की ओर से राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेकर फॉरेंसिक लैब (एफएसएल) से मिलान कराने की मांग की गई थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने दो मई को इस अर्जी को खारिज कर दिया था।

दिव्यांग बच्चों को मिला ऑन-द-स्पॉट सरकारी योजनाओं का लाभ

जोड़ापोखर (ससे) : धनबाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा एवं डालसा सचिव मयंक तुषार टोपनो के निर्देश पर जीवन संस्था, बस्तकोल में न्याय आपके द्वार-कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार डीएलएसए के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांग बच्चों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर एलएडीसीएस कन्हैयालाल ठाकुर जी के द्वारा दिव्यांग बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया तथा दिव्यांग प्रमाण पत्र वितरण किया गया साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं, स्पॉन्सरशिप, दिव्यांग पेंशन, जैसे योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया पूरी की गई कार्यक्रम के दौरान (जीवन फाउंडर ए के सिंह) एवं पीएलबी-रोहित कुमार रजक, विशाल कुमार यादव उपस्थित रहे।

एस.आई.जी. ने किया कोडरमा व पारसनाथ स्टेशनों का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : अपर मंडल रेल प्रबंधक, धनबाद मुकेश कुमार के नेतृत्व में मंडल स्तरीय स्टेशन इम्प्रूवमेंट ग्रुप द्वारा कोडरमा एवं पारसनाथ स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसरों में सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं, यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, आधारभूत संरचनाओं तथा परिचालन व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यात्री सुविधाओं के निरंतर उन्नयन, संरक्षा मानकों के अनुपालन, स्वच्छता बनाए रखने तथा स्टेशन संचालन को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में धनबाद-कोडरमा-धनबाद रेलखंड का फुटप्लेट निरीक्षण भी किया गया इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बीआईटी सिंदरी में समर इंटर्नशिप कार्यक्रम संपन्न

सिंदरी (ससे) : बीआईटी सिंदरी के धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित छह सप्ताह का समर इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें झारखंड के विभिन्न पॉलिटेक्निक एवं अभियंत्रण महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को धातुकर्म के विभिन्न क्षेत्रों, प्रयोगशालाओं एवं औद्योगिक उपयोग से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार रजक ने विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

बीआईटी में बी.टेक का नामांकन जारी

सिंदरी (ससे) : बीआईटी सिंदरी में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के बी.टेक नामांकन का तीसरा दिन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस दौरान कुल १८७ विद्यार्थियों ने विभिन्न शाखाओं में नामांकन कराया। निदेशक प्रो. (डॉ.) पंकज राय के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं छात्र-अनुकूल वातावरण में संपन्न हुई। शिक्षकों व कर्मचारियों के समन्वित प्रयास से नामांकन कार्य सुचारु रूप से पूरा हुआ।

कार्यालय,
धनबाद नगर निगम, धनबाद।
टोल फ्री नं0 :–18008904160 ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक – 768 दिनांक – 14.07.2026

–: अतिअल्पकालीन बन्दोबस्ती नीलामी सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम अन्तर्गत विभिन्न सैरातों / पार्किंग स्थलों की बन्दोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 01.08.2026 से 31.03.2027 तक के लिए खुली निलामी बन्दोबस्ती प्रक्रिया के द्वारा दिनांक 23.07.2026 को 3:00 PM में सम्पन्न की जानी है।

आवेदन / पंजीकरण शुल्क :–
इच्छुक डाक वक्ता दिनांक 23.07.2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन के साथ मांगे गये दस्तावेज, जमानत राशि और पंजीकरण शुल्क 1000/- (एक हजार) रूपये डिमांड ड्राफ्ट (जो धनबाद नगर निगम, धनबाद के नाम से देय होगा) धनबाद नगर निगम कार्यालय के भू–तल में रखे गये ड्राप बॉक्स में अपराहन् 3:00 बजे तक जमा करें। पंजीकरण शुल्क पूर्ण रूप से Non Refundable होगा।

जमानत राशि :–
डाक वक्ता को बन्दोबस्ती राशि का दस प्रतिशत (10%) जमानत राशि डिमांड ड्राफ्ट (जो धनबाद नगर निगम, धनबाद के नाम से देय होगा) के रूप में आवेदन के साथ ड्राप बाक्स में जमा करना होगा। असफल डाक वक्ता की जमानत की राशि एकरारनामा के पश्चात् लौटा दी जाएगी।

क्र0 सं0	अंचल	सैरातों / पार्किंग स्थल का नाम	सैरातों / पार्किंग स्थल का विवरण	दिनांक 01.08.2026 से 31.03.2027 तक के लिए न्युनतम डाक राशि	जमानत राशि 10%
1.	धनबाद	झरिया रोड़ टेक्सटाईल मार्केट रोड़ के दोनो साईड	टेक्सटाईल मार्केट से बड़ा नाला तक एवं बड़ा नाला से डा0 पी0 के0 बनर्जी (विवेकानन्द आश्रम) तक।	2,69,963	26,996
2.	धनबाद	कोर्ट कैम्पस कोहीनुर मैदान सैरात	कोहीनुर मैदान से वेडिंग जोन तक एव SBI बैंक के सामने रोड़ के दोनो तरफ।	4,54,821	45,482
3.	धनबाद	बरटांड बस पड़ाव बैरियर	बरटांड बस पड़ाव	59,99,104	5,99,910
4.	धनबाद	पार्क मार्केट पार्क ग्राउड पार्किंग	पार्क मार्केट,चिल्ड्रेन पार्क ग्राउड, खेल मैदान को छोड़कर।	11,49,190	1,14,919
5.	सिंदरी	शहरपुरा नेहरू मैदान एवं सब्जी मार्केट गुरूद्वारा	शहरपुरा नेहरू मैदान, वीर कुँअर सिंह चौक के चारो ओर एवं सब्जी मार्केट से गुरूद्वारा तक।	7,23,008	72,301

नोटः–
1. आवेदन तथा पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 23.07.2026 अपराह्न 3:00 बजे तक।
2. खुली नीलामी बंदोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 23.07.2026 अपराह्न 3:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में की जाएगी।
3. नियम एवं शर्तें बेवसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in पर एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित है।

अपर नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम।
PR 385066 (Urban Development and Housing) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला विकास शाखा)
जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, धनबाद
दूरभाष सं0: 0326-2310331(O) E-mail:- dmfdhanbad2@gmail.com

–:: अंकेक्षण हेतु अति अल्पकालिन निविदा का प्रकाशन ::–

धनबाद जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, धनबाद के वित्तीय वर्ष 2025–26, 2026–27 एवं 2027–28 तक के सभी प्रकार के Statutory Audit तथा Income Tax Return Filing के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2026–27, 2027–28 एवं 2028–29 तक के सभी प्रकार के Applicable GST Return Filing (monthly) & TDS Return filing (Quaterly) के लिये दिनांक .30.7.2026.....समय पूर्वाहन / अपराह्न ....03:00................बजे तक निविदा आमंत्रित किया जाता है। उक्त निविदा के लिए 02 शील बंद लिफाफा में निविदा समर्पित किया जा सकता है, जो Part "A" Technical Part तथा Part "B" Financial Part होगा। Technical Part दिनांक .30.7.2026........को पूर्वाहन / अपराह्न ...4:00..............बजे निविदा निस्तारण समिति के समक्ष खोला जायेगा। तदनुसार Financial Part को खोले जाने का निर्णय लिया जायेगा।

निविदा निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित किया जाता है जिसके आलोक में महालेखाकार में सूचीबद्ध अंकेक्षक (Chartered Accountant) भाग ले सकते है:–
1. अंकेक्षण दो या दो से अधिक साझेदारों द्वारा संचालित होना चाहिए।
2. विभागीय निदेश के क्रम में अंकेक्षण महालेखाकार में सूचीबद्ध होना अनिवार्य होगा।
3. अंकेक्षणों की न्युन्तम व्यावसायिक शिक्षा Fellow of Chartered Accountant होनी चाहिए।
4. सरकारी, लोक उपक्रम अथवा बैंको का Audit का अनुभव पाँच वर्षों या उससे अधिक की होनी चाहिए।
5. अंकेक्षण का न्यूनतम Turnover 50 लाख (विगत दो वर्षो का) होना अनिवार्य है।
6. अंकेक्षण का GST निबंधन एवं PAN का उल्लेख करना अनिवार्य होगा।
7. अंकेक्षण के क्रम में किसी प्रकार के T.A, D.A एवं होटल खर्च विभाग द्वारा देय नही होगा।
8. Financial Part (Part-B) में अंकेक्षण हेतु अंकेक्षण Fee में अनुमान्य GST की दर के आधार पर अंकेक्षण Fee का उल्लेख किया जाना अनिवार्य होगा।
9. अंकेक्षण हेतु निधारित न्यूनतम राशि मो0 1,48,000.00 रू0 होना अनिवार्य होगा।
10. अंकेक्षण हेतु निर्धारित अवधि का अंकेक्षण किया जाना अनिवार्य होगा। अंकेक्षण कार्य को बीच में छोडे जाने पर संबंधित अंकेक्षक के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

इस निविदा को रदद् करने एवं आंशिक संशोधन करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा।

PR 385036 Rural Development(26-27).D
जिला खनन पदाधिकारी –सह–कोषाध्यक्ष, DMFT, धनबाद
नोडल पदाधिकारी, DMFT, धनबाद
उप विकास आयुक्त –सह–सदस्य सचिव, DMFT, धनबाद
उपायुक्त –सह–अध्यक्ष, DMFT, धनबाद

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, गिरिडीह
(कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग)
(Email Id- dhogiridih@gmail.com)

निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में संचालित राज्य उद्यान विकास योजना की उपयोजना 'प्रोमोशन ऑफ अर्बन फार्मिंग' के अन्तर्गत जिला गिरिडीह नगर एवं उसके आसपास के शहरी क्षेत्रों में निवासरत परिवारों के घरों के निकट उपलब्ध लघु भू–खण्ड एवं सरकारी परिसरों में उपलब्ध रिक्त स्थान तथा टैरेस गार्डेनंग हेतु जैविक एवं गुणवत्तायुक्त सब्जीयों, फल, फूल, साज–सज्जा एवं औशधीय पौधों सहित आवश्यक कृषि आदानों की आपूर्ति एवं स्थापना कार्य हेतु पंजीकृत स्थानीय Service Provider/Nursery से दर प्राप्त करने के लिए मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इच्छुक एवं पात्र निविदाकर्ता दिनांक 24.07.2026 को अपराहण् 5.00 बजे तक अपनी मुहरबंद निविदा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 30.07.2026 को अपराहण् 12.00 बजे जिला स्तरीय समिति की उपस्थिति में जिला उद्यान कार्यालय, गिरिडीह में खोला जाएगा। निविदा से संबंधित विस्तृत शर्तों एवं सामग्री सूची कार्यालय अवधि में 24.07.2026 तक जिला उद्यान कार्यालय गिरिडीह से प्राप्त की जा सकती है।

General and Technical Eligibility
1. The bidder must be a reputed Manufacturer/ Authorized/ Dealer /Firm Agency/ Government or Non-Government Organization/ Company. Relevant supporting documents must be enclosed.
2. The bidder should have at least three years of experience in gardening, landscaping, rooftop/terrace horticulture or allied activities. Supporting work orders or experience certificates issued by Government/Non-Government organizations shall be enclosed.
3. The bidder shall submit a valid Registration Certificate along with detailed information about the nursery/firm/company. The agency should have a demonstration plot and an after-sales service centre in Jharkhand.
4. The bidder shall furnish self-attested copies of PAN Card and GST Registration Certificate along with the application.
5. The bidder shall submit self-attested copies of GST Returns for the last two quarters.
6. The bidder's average annual turnover shall not be less than ₹5.00 lakh in any one of the last three financial years. Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account, duly certified by a Chartered Accountant, shall be enclosed.
7. The bidder shall submit a self-certification stating that the firm has not been blacklisted by any Central Government, State Government, PSU or Government Department for similar services.
8. The bidder shall submit a non-refundable Tender Fee of ₹500/- and a refundable Earnest Money Deposit (EMD) of ₹50,000/- in the form of a Demand Draft drawn in favour of "ZILA UDYAN PADADHIKARI, GIRIDIH" payable at Giridih.

नोट :– विशेष जानकारी हेतु जिला उद्यान कार्यालय, गिरिडीह (न्यू सर्किट हाउस के सामने) से सम्पर्क किया जा सकता है। सम्पर्क नं0 8409757169

जिला उद्यान पदाधिकारी
गिरिडीह
PR 385022 Giridih(26-27)#D

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी0एस0सिटी0–14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री टेक मेक, प्लॉट नं0–I/D-43/112A, रकवा–0.32 एकड़, बोकारो औ0 क्षेत्र, बी0एस0सिटी–14, को डी0आर0टी0 राँची से नीलामी मे श्री पंकज कुमार यादव, पिता–श्री जानकी यादव द्वारा क्रय किया गया है। सर्वश्री टेक मेक, प्लॉट नं0–I/D-43/112A, श्री पंकज कुमार यादव के नाम में स्वामित्व परिवर्तन किया जाना हैं।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

क्षेत्रीय निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र
PR 385070 (Industries)26-27*D

कार्यालय : कार्यपालक पदाधिकारी, चिरकुण्डा नगर परिषद

अति अल्पकालीन निविदा उद्धरण आमंत्रण सूचना सं० :– 07 / 2026–27

चिरकुण्डा नगर परिषद द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु इच्छुक व्यक्ति / मुद्रण संस्थान / फॉर्म / संस्था / संवेदक इत्यादि से सीलबंद उद्धरण आमंत्रित की जाती है :–

कार्य का नाम– स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत Faecal Sludge Treatment Plant (FSTP) के प्रचार–प्रसार एवं स्वच्छता जन–जागरूकता (IEC Activity) हेतु 10,000 (दस हजार) Self Adhesive Gumming Sheet (Sticker) की छपाई एवं आपूर्ति हेतु एक वर्श के लिए दर अनुबंध (Rate Contract)।

व्यक्ति / फॉर्म / संस्था / संवेदक नीचे अंकित विवरणी के अनुसार अपना दर समर्पित करेंगे, जो निम्न है :–
1. आकार (Size) – A3 (With Sample)
2. पेपर–120 GSM Self Adhesive Art Paper/ Vinyl Sticker (Water Resistant Glossy Lamination)।
3. प्रिंटिंग – चार रंग (4 Colour Offset Printing)।
4. प्रिंट गुणवत्ता – उच्च गुणवत्ता (High Resolution), Smudge Free।
5. डिजाइन / आर्टवर्क – चिरकुण्डा नगर परिषद द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।
6. प्रत्येक स्टिकर की कटिंग, पैकिंग एवं आपूर्ति फर्म द्वारा की जाएगी।
7. सामग्री दोषपूर्ण / खराब प्रिंट पाए जाने पर उसे बिना अतिरिक्त शुल्क के बदलना होगा।
8. दर में सभी कर, पैकिंग, परिवहन, लोडिंग–अनलोडिंग एवं अन्य प्रभार स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएँ।

➢ उद्धरण जमा करने की तिथि एवं समय :– दिनांक 24.07.2026 को अप० 03:00 बजे तक
➢ उद्धरण खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 24.07.2026 को अप० 04:00 बजे तक
➢ स्थान :– चिरकुण्डा नगर परिशद्

आवश्यक दस्तावेजः–
1. GST Registration
2. PAN Card
3. Aadhaar Card
4. Income Tax Return (Last three years)
5. GST Return (Upto date)
6. Printing/IEC Material Supply के तहत किसी सरकारी कार्यालय / संस्था में किए गए कार्य का अनुभव प्रमाण–पत्र (कम से कम 02 समान कार्य) के साथ संबंधित कार्य का फोटोग्राफ देना अनिवार्य होगा।
7. पूर्व में कोई कार्य लंबित नहीं होने तथा काली सूची में न होने से संबंधित शपथ पत्र।

महत्वपूर्ण शर्तें :–
1. दर प्रति Sticker एवं कुल राशि में अंकित की जाए।
2- GST पृथक अथवा समाहित (Inclusive/Exclusive) स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए।
3. दर में Printing, Packing, Transportation, Loading–Unloading एवं Delivery सहित सभी व्यय सम्मिलित होंगे।
4. दर सभी करों (Tax) सहित अंकित करना अनिवार्य है। अंकित दर के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार का भुगतान कार्यालय द्वारा देय नही होगा।
5. कार्य आदेश प्राप्त होने के 07 दिनों के अंदर सामग्री की आपूर्ति करनी होगी।
6. सामग्री निर्धारित गुणवत्ता की नहीं पाए जाने पर उसे एजेंसी अपने व्यय पर बदलने के लिए बाध्य होगी।
7. नगर परिषद आवश्यकता अनुसार मात्रा में वृद्धि अथवा कमी कर सकती है।
8. न्यूनतम दर (L–1) प्राप्त होना कार्यादेश दिए जाने का एकमात्र आधार नहीं होगा।
9. भुगतान सामग्री के सत्यापन के आधार पर होगा।
10- L1 होने वाले व्यक्ति / फॉर्म / संस्था / संवेदक के साथ 01 वर्ष की अवधि के लिए एकरारनामा किया जाएगा यदि कार्य संतोषप्रद पाया जाता है, तो एकरारनामा की अवधि का विस्तार किया जाएगा।
11. एकरारनामा के समय रू0 25,000.00 (पचीस हजार) की राशि अग्रधन के रूप में अधोहस्ताक्षरी के पदनाम Executive Officer, Chirkunda Nagar Prishad से बनाकर कार्यालय में जमा करना होगा। जिसे एकरारनामा की अवधि समाप्त होने के उपरांत कार्य संतोशप्रद पाए जाने पर बिना ब्याज के लौटा दी जाएगी।
12. यदि एजेंसी कार्यादेश प्राप्त होने के पश्चात कार्य करने से इंकार करती है अथवा निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण नहीं करती है, तो अग्रधन कर राशि पूर्णतः जब्त कर ली जाएगी तथा एजेंसी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
13. एकरारनामा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
चिरकुण्डा नगर परिषद्
PR 385096 Dhanbad(26-27)#D

GIRIDIH MUNICIPAL CORPORATION
Near Ambedkar Bhawan, Giridih, Jharkhand – 815301
E-Mail: giridihmunicipalcorporation@gmail.com

NIT No.: UDD/GMC/I/01/2nd Call/26-27 Date: 14-07-2026
Notice Inviting Tender National Competitive Bidding
Short Tender Notice

1.	Name of the Work	Request for Proposal for Selection of Consultant for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Vendor Market behind Circuit House, Whitty Bazar in Giridih, Jharkhand.
2.	Mode of submission of bids	Online Tender
3.	Tender Fee & Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) to be submitted online through the e-procurement website	Cost of Tender Document: 5,000/- *(Rupees Five Thousand) only (Non-refundable)* Earnest Money Deposit (EMD) – Rs. 10,000/- *(Rs. Ten Thousand) only*
4.	Date of starting of sale of online Tender	20/07/2026 at 14:00 Hrs
5.	Date of Start of Submission of online Bids	20/07/2026 at 14:00 Hrs
6.	Last Date/Time for submission of online bids	03/08/2026 at 15:00 Hrs
7.	Date of Online Bid Opening	04/08/2026 at 16:00 Hrs
8.	Helpline no.	+91 653 2250279

Note: Only e-tender will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in

PR 384993 Urban Development (26-27)_D
Municipal Commissioner
Giridih Municipal Corporation

किसी महिला की ब्रेस्ट दबाना रेप की कोशिश नहीं : पटना हाईकोर्ट

पटना (एजेंसी) : पटना हाईकोर्ट के एक फैसले, जिसमें कहा गया था कि 'किसी महिला की ब्रेस्ट दबाना और उसकी सलवार का नाड़ा खींचना दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में नहीं आएगा।' अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले पर सख्ती दिखाई है। यौन अपराधों से जुड़े ऐसे मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों की सुनवाई करने वाले न्यायाधीशों को सुप्रीम कोर्ट के प्रासंगिक फैसलों और तय दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए।

ऐसे मामलों में कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी की तैयार हैंडबुक और समिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट और सभी हाईकोर्ट की वेबसाइटों पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्यों को भी निर्देश दिया कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने और चार्जशीट दाखिल करने के दौरान इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करे।

दरअसल, यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के १७ मार्च २०२५ के एक विवादित आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में स्वतः संज्ञान के रूप में पहुंचा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि किसी लड़की के पजामे का नाड़ा खींचना और उसके स्तनों को पकड़ने मात्र से हर मामले में रेप की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस टिप्पणी के बाद देशभर में विवाद हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई शुरू की। इसी सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने ९ जुलाई को आए पटना हाईकोर्ट के एक फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि महिला की सलवार उतारने और उसकी छाती दबाने की घटना उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर रेप की कोशिश साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मामलों में पहले से मौजूद फैसलों और दिशा-निर्देशों का अध्ययन करें। उन्होंने टिप्पणी की, जजों को भी रिसर्च करनी चाहिए।

पटना हाईकोर्ट का यह फैसला वर्ष २००८ की एक घटना से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार, पीड़िता अपने पिता के साथ एक फोटोग्राफी स्टूडियो गई थी, जहां आरोपी ने फोटो दिखाने के बहाने उसे कमरे में रोक लिया, दरवाजा बंद कर जबरदस्ती करने की कोशिश की और उसकी सलवार उतारने और छाती दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के शोर मचाने पर उसके पिता मौके पर पहुंचे जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। मामला कोर्ट तक पहुंचा जहां ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को रेप की कोशिश और गलत तरीके से बंधक बनाने का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। हालांकि, अपील पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट के जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई मेडिकल या अन्य ठोस साक्ष्य नहीं था जिससे रेप की कोशिश का आरोप संदेह से परे साबित हो सके।

अदालत ने माना कि आरोपी का कृत्य महिला की मर्यादा भंग करने वाला था। यह आईपीसी की धारा ३५४ के तहत दंडनीय है, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसे रेप की कोशिश का अपराध नहीं माना जा सकता।

गुप्त नवरात्र आरंभः नाव पर आई माता, दुर्लभ सिद्धियों का पर्व

पटना (ईएमएस): आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा के साथ ही बुधवार से गुप्त नवरात्र का पावन पर्व आरंभ हो गया है। पुष्य नक्षत्र, हर्षण योग और सिद्ध योग के दुर्लभ संयोग में श्रद्धालु कलश स्थापना के साथ माता के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। १० दिनों तक चलने वाले विशेष नवरात्र में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों और १० महाविद्याओं की उपासना की जाएगी।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि साल में दो गुप्त नवरात्र होते हैं, जो माघ और आषाढ़ माह में मनाए जाते हैं। यह नवरात्र विशेष रूप से तंत्र साधना और गुप्त शक्तियों की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान मां कामाख्या की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष माता नाव पर सवार होकर आ रही हैं और हाथी पर विदा होंगी, जो भक्तों के लिए सभी प्रकार की सिद्धियों की प्राप्ति का संकेत है। शिव पुराण और मत्स्य पुराण के अनुसार, आषाढ़ मास के देवता इंद्र और महाकाली हैं, और यह मास प्रकृति की वर्षा को अपने गोद में लिए हुए होता है।

साधक इस दौरान दुर्लभ शक्तियों की प्राप्ति हेतु १० महाविद्याओं महाकाली, तारा, ललिता, भुवनेश्वरी, त्रिपुरसुंदरी, छिन्नमस्तिका, भैरवी, बगलामुखी, माता कमला और मातंगी देवी की साधना करते हैं।

1.81 करोड़ महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से सम्मान राशि भेजा जाएगा : सीएम

भागलपुर (एजेंसी) : भागलपुर के गोराडीह में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को राज्य के महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। कार्यक्रम के दौरान सीएम सम्राट ने कई घोषणाओं का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा किया कि २५ जुलाई को १.८१ करोड़ महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से सम्मान राशि भेजा जाएगा। सीएम ने कहा कि राज्य की महिलाओं को आर्थिक रुप से मजबूत बनाना उनकी पहली प्राथमिकता है। आत्मनिर्भर महिलाएं ही परिवार व राज्य के विकास की आधारशिला हैं।

अधिकारियों को सख्त निर्देश

इस दौरान सीएम सम्राट ने अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिया कि बार-बार लापरवाही करने के मामलों में तीन बार नोटिस दिये जाने के बाद कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सहयोग शिविरों के माध्यम से अब तक साढ़े पांच लाख से अधिक शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लगातार लापरवाही करने वाले अधिकारियों को दूसरा और तीसरा नोटिस दिया जा रहा है। तीसरे नोटिस के बाद भी अगर सुधार नहीं होता है तो ऐसे कर्मचारियों को सेवा से हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्रीय विकास को लेकर भी कई घोषणाएं

इस दौरान उन्होंने मुंगेर और भागलपुर प्रमंडल के अधिकारियों को जनता की शिकायतों का समय पर निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनसभा में मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय विकास को लेकर भी कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहलगांव से बटेश्वर स्थान तक आधुनिक रोपवे निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों की नियमित निगरानी करने की भी अपील की। कार्यक्रम में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, भागलपुर की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय, एसएसपी, महापौर डॉ. वसुंधरा लाल सहित एनडीए के कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जदयू कार्यालय के बाहर छोटू सिंह के समर्थकों ने किया प्रदर्शन, नीतीश कुमार से लगाई गुहार

पटना (एजेंसी) : जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर बुधवार को छोटू सिंह के समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जदयू से ६ साल के लिए निष्कासित अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह की तस्वीर अपने हाथों में लेकर उनके समर्थन में नारेबाजी करते नजर आए। छोटू सिंह को वापस लाओ के नारों के साथ समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दोबारा संगठन में छोटू सिंह को शामिल करने की मांग की। समर्थकों ने इस मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने उनकी बात ध्यान से सुनी और आश्वासन दिया कि इस पर वो विचार करेंगे।

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियोंऔर अनुशासनहीनता के आरोप में छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया। दरअसल विवाद की शुरुआत ८ जुलाई को हुई, जब जदयू ने १२४ सदस्यीय नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की और छोटू सिंह को उसमें जगह नहीं मिली। इसके बाद १० जुलाई को एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के सामने नई टीम को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताते दिखाई दिए। पार्टी नेतृत्व ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की। इसके साथ ही मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने उन्हें बिहार राज्य नागरिक परिषद के महासचिव पद से भी हटा दिया।

कार्रवाई के बाद छोटू सिंह के समर्थकों ने पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात कर फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। समर्थकों का कहना है कि लंबे समय से पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ता के साथ इतनी कठोर कार्रवाई से संगठन में गलत संदेश जाएगा। वहीं, मोकामा विधायक अनंत सिंह ने भी इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहली गलती पर माफी का अवसर मिलना चाहिए था। अब नीतीश कुमार द्वारा मामले पर विचार करने के आश्वासन के बाद सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जदयू नेतृत्व छोटू सिंह के निष्कासन के फैसले पर पुनर्विचार करता है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले-हां, मैं खुश हूं

पटना,(ईएमएस): राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि २०१८ से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के १२ जुलाई २०१९ के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने दलील दी कि चारा घोटाले के अलग-अलग मामलों में सुनाई गई सजाएं क्रमवार चलनी चाहिए, जब तक कोर्ट अलग से कोई आदेश न दे।

वहीं लालू यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इसका विरोध करते हुए कहा कि सजाएं साथ-साथ चलेंगी या अलग-अलग, इस पर फैसला अपील की अंतिम सुनवाई में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए लालू यादव को वही राहत दी थी, जो आधी सजा पूरी कर चुके अन्य दोषियों को भी दी गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सजा निलंबन का आदेश रद्द करने से इनकार कर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सुनीं जनता की समस्याएं

पटना (एजेंसी) : पटना के जदयू प्रदेश कार्यालय में आज जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर माननीय परिवहन मंत्री दामोदर रावत, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह, बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनता के हितों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नीतीश जी ने जनहित को ही सुशासन का आधार बनाया है। हम भी इसी प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

प्रशांत किशोर को झटका, पार्टी के तीन नेता भाजपा में शामिल

पटना (एजेंसी) : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल कुम्हरार से प्रो. केसी सिन्हा, मनेर से गोपाल सिंह और दीघा से बिट्टू सिंह, जो जन सुराज के प्रत्याशी रह चुके हैं, बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद गोपाल सिंह और बिट्टू सिंह ने इसे अपनी घर वापसी बताया। वहीं, प्रो. केसी सिन्हा ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए भाजपा का दामन थामा है और केंद्र सरकार को मजबूत करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। इन नेताओं का भाजपा में शामिल होना जन सुराज के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर स्वयं बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव मैदान में हैं। प्रो. केसी सिन्हा जन सुराज अभियान की शुरुआत से ही प्रशांत किशोर के करीबी सहयोगियों में रहे हैं और संगठन निर्माण से लेकर जनसंवाद कार्यक्रमों तक उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (ईएमएस) : मथुरा पुलिस ने ४ माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई २ करोड़ ९० लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर २ करोड़ रुपये नकद और ६० लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है।

गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के २ करोड़ रुपये कैश, ६० लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनने भक्तों में होड़

लखनऊ/अयोध्या(ईएमएस): अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। भर्ती अधिसूचना जारी होने के महज २४ घंटे के भीतर ही १,००० से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या सेवानिवृत्त प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की बताई जा रही है। ट्रस्ट ने नए सीईओ के चयन के लिए तीन सदस्यीय सर्च कमेटी गठित की है। आवेदन प्रक्रिया १८ जुलाई तक जारी रहेगी। ट्रस्ट का अनुमान है कि अंतिम तिथि तक आवेदनों की संख्या कई हजार तक पहुंच सकती है।

आवेदनों की जांच के लिए सचिव की होगी नियुक्ति

उम्मीद से कहीं अधिक आवेदन मिलने के बाद सर्च कमेटी ने आवेदनों की प्रारंभिक जांच और पात्रता परीक्षण के लिए एक सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके बाद १९ जुलाई को समिति की बैठक में आवेदनों की समीक्षा कर इंटरव्यू की प्रक्रिया तय की जाएगी। प्रारंभिक छंटनी में सफल अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। आवश्यकता पडने़ पर ऑनलाइन इंटरव्यू का विकल्प भी अपनाया जा सकता है। माना जा रहा है कि २२ जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में सर्च कमेटी अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भी किया आवेदन

उत्तर प्रदेश के चर्चित पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने भी राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए आवेदन करने की पुष्टि की है। उनके आवेदन के बाद इस पद को लेकर चर्चा और तेज हो गई है।

सीईओ के चयन की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और वरिष्ठ वैज्ञानिक सुरेश हावड़े की तीन सदस्यीय सर्च कमेटी को सौंपी गई है।

योग्यता की शर्तें भी हैं कड़ी

ट्रस्ट ने इस महत्वपूर्ण पद के लिए सख्त पात्रता तय की है। अभ्यर्थी की आयु ५० से ७० वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही कम से कम २० वर्ष का प्रशासनिक अनुभव, अयोध्या में स्थायी रूप से रहने की इच्छा, आस्थावान हिंदू होना तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का अच्छा ज्ञान अनिवार्य रखा गया है।

2027 चुनाव को लेकर बीजेपी ने शुरु की तैयारियां, सीएम कर रहे जिलों के दौरे

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२७ को लेकर बीजेपी ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक ओर सीएम योगी आदित्यनाथ प्रदेशभर में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास और जनसभाओं के जरिए सरकार के कामकाज को जनता तक पहुंचाने में जुटे हैं, तो दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने के अभियान चला रहे हैं। बीजेपी की रणनीति सरकार के प्रदर्शन और संगठन की मजबूती के सहारे चुनावी बढ़त बनाए रखने की है। सीएम योगी पिछले कई महीनों से लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। प्रत्येक दौरे में वह विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक सीएम ने अप्रैल से जून २०२६ के बीच प्रदेश के दो दर्जन से जयादा जिलों में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उनका जिलों का दौरा लगातार जारी है। वहीं बीजेपी संगठन भी बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने में जुटा है। प्रदेश संगठन की नई टीम के गठन के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। वहीं, पंकज चौधरी ने मिर्जापुर, सोनभद्र और बहराइच में संगठनात्मक बैठकों के जरिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का संदेश दिया। बीजेपी २२ जुलाई को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन करने जा रही है। इसे विधानसभा चुनाव की संगठनात्मक तैयारियों की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी ने इस अभियान का संयोजक प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल और सह-संयोजक प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह और राहुल वाल्मीकि को बनाया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि बीजेपी एक संगठन आधारित दल है, जो केवल चुनाव के समय नहीं बल्कि पूरे साल जनता के बीच सक्रिय रहती है। पार्टी के कार्यकर्ता सेवा, सुशासन और जनकल्याण के विभिन्न अभियानों के माध्यम से आमजन से लगातार जुड़े रहते हैं।

एक विश्लेषक का कहना है कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव २०२७ की तैयारियां काफी पहले शुरू कर दी हैं। सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर लगातार सक्रियता दिखाई दे रही है। सीएम के प्रदेशव्यापी दौरे, संगठन की बैठकों और नए पदाधिकारियों की नियुक्तियों को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है।

मोदी कैबिनेट ने झारखंड-ओडिशा के लिए 3,907 करोड़ की दो बड़ी रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

राजखरसावां-डांगोवापोसी चौथी रेल लाइन को स्वीकृति, 2030-31 तक पूरा होगा काम

रांची (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में झारखंड और ओडिशा से जुड़ी भारतीय रेल की दो महत्वपूर्ण मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई। इन परियोजनाओं पर लगभग ३,९०७ करोड़ रुपये खर्च होंगे और इन्हें २०३०-३१ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वीकृत परियोजनाओं में पारादीप-हरिदासपुर रेल लाइन का दोहरीकरण तथा झारखंड के राजखरसावां-दांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी रेल लाइन का निर्माण शामिल है। इन दोनों परियोजनाओं से भारतीय रेल नेटवर्क में करीब १४५ किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ेगी।

सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं से रेल परिचालन अधिक सुगम होगा, ट्रेनों की आवाजाही में तेजी आएगी और माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई हैं, जिससे मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को मजबूती मिलेगी।

इन परियोजनाओं का लाभ झारखंड और ओडिशा के चार जिलों के लगभग १,५२६ गांवों तथा करीब १४ लाख आबादी को मिलेगा। इससे क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होने की उम्मीद है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, क्षमता बढ़ने से कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर और जिप्सम जैसे खनिजों के परिवहन में बड़ी सुविधा होगी। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर प्रतिवर्ष लगभग ४४ मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी।पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। अनुमान है कि इससे हर वर्ष लगभग ६ करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी और २९ करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभ के समान है।

झारखंड के लिए राजखरसावां-डांगोवापोसी चौथी रेल लाइन परियोजना विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे खनिज बहुल कोल्हान क्षेत्र से माल परिवहन और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी, साथ ही यात्रियों के लिए रेल सेवाएं भी अधिक विश्वसनीय और समयबद्ध होंगी।

कल मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन, मुख्यमंत्री को दिया गया आमंत्रण

रांची (एजेंसी): दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के.एन. सिंह ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार, मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन १७ जुलाई २०२६ को किया जाएगा।

दोनों स्टेशनों का आधुनिकीकरण अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया है, जिसके तहत यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्टेशन परिसर का भी व्यापक कायाकल्प किया गया है।

डीआरएम के.एन. सिंह ने मुख्यमंत्री को उद्घाटन समारोह की तैयारियों और कार्यक्रम की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के लिए रेलवे अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप देने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी

रिम्स में अब 250 एमबीबीएस सीटें, एनएमसी की मंजूरी

रांची (एजेंसी): झारखंड के सबसे बड़े सरकारी मेडिकल संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में एमबीबीएस की सीटें अब २५० हो गई हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने सीट वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आगामी शैक्षणिक सत्र से रिम्स में २५० छात्रों का नामांकन होगा। इसे राज्य की चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसे झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह केवल सीटों में वृद्धि नहीं, बल्कि राज्य में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि झारखंड में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार और एनएमसी के समक्ष लगातार प्रभावी पैरवी की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और एनएमसी अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद यह मंजूरी मिली है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में एमबीबीएस सीटों की संख्या १०० से बढ़ाकर १५० की जा चुकी है। अब रिम्स में सीटें १८० से बढ़कर २५० हो गई हैं। आने वाले समय में राज्य के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी एमबीबीएस और पीजी सीटों में वृद्धि की जाएगी।

डॉ. अंसारी ने कहा कि प्रत्येक अतिरिक्त एमबीबीएस सीट पर केंद्र सरकार से लगभग १.४ करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त होगा। इससे मेडिकल कॉलेजों में भवन, आधुनिक प्रयोगशालाएं, छात्रावास, क्लासरूम, फैकल्टी और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। इसका सीधा लाभ राज्य के विद्यार्थियों और मरीजों को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में विभागीय टीम ने एनएमसी के सभी मानकों के अनुरूप आधारभूत संरचना और संसाधनों को विकसित किया, जिसके परिणामस्वरूप यह मंजूरी मिली।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि झारखंड को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। आने वाले वर्षों में राज्य में अधिक संख्या में विशेषज्ञ चिकित्सक तैयार होंगे और विद्यार्थियों को बेहतर चिकित्सा शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

ओरमांझी में हाइवा की चपेट में आने से छात्र की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

रांची (एजेंसी): रांची जिले के ओरमांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुच्चू स्थित बरवे रेस्क्यू सेंटर के समीप एक भीषण सड़क हादसे में नौवीं कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई। तेज रफ्तार हाइवा (बीआर ०२ क्यू ७५३६) ने सड़क किनारे खड़े छात्र को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान डहु निवासी एजाज अंसारी के पुत्र दिलसाद अंसारी के रूप में हुई है। वह ओरमांझी स्थित एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय का छात्र था।

घटना के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने उसका पीछा किया और लॉक चौक के पास वाहन को रोक लिया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि भागने के दौरान हाइवा ने सिलदीरी गांव के पास एक बिजली के खंभे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

मुआवजे और स्पीड ब्रेकर की मांग को लेकर सड़क जाम

हादसे से नाराज ग्रामीणों ने छात्र के शव के साथ सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और दुर्घटनास्थल पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की। उनका कहना है कि इस सड़क पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण पहले भी हादसे हो चुके हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि देर रात तक प्रदर्शन जारी रहा।

रांची में बड़े बिल्डर्स पर आयकर विभाग का शिकंजा

पनास रिलेटर्स एलएलपी और दयानंद मोदी ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी

रांची (एजेंसी): आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने झारखंड की राजधानी रांची में बड़े बिल्डर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दायरे में पनास रिलेटर्स एलएलपी और दयानंद मोदी ग्रुप शामिल हैं। विभाग की टीम ने दोनों समूहों के कार्यालयों के साथ-साथ उनके पार्टनर्स और निदेशकों के ठिकानों पर भी जांच की।

जानकारी के अनुसार आयकर विभाग को इन बिल्डर्स पर वास्तविक आय छिपाकर टैक्स चोरी करने का संदेह है। इसी आधार पर बुधवार को एक साथ कई स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

रातू रोड स्थित मोदी हाइट्स में संचालित पनास रिलेटर्स एलएलपी के कार्यालय पर आयकर विभाग की टीम पहुंची। इसके अलावा कंपनी से जुड़े पार्टनर्स के आवास और अन्य ठिकानों पर भी जांच की गई। कंपनी के पार्टनर्स में अरुण झुनझुनवाला, नारायण प्रसाद जालान, प्रदीप मोदी, प्रणय मोदी और आदित्य झुनझुनवाला शामिल हैं। रांची में कंपनी की कई प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं संचालित हैं, जिनमें स्काई डेक और पनाशे जैसी परियोजनाएं प्रमुख मानी जाती हैं।

दूसरी ओर आयकर विभाग ने दयानंद मोदी ग्रुप के लालपुर स्थित कार्यालय पर भी छापा मारा। इस ग्रुप की रांची में कई आवासीय परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें रोजवुड परियोजना प्रमुख है, जहां एक फ्लैट की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जाती है। विभाग ने कंपनी के निदेशक अभिमन्यु मोदी के ठिकानों को भी जांच के दायरे में लिया है।

फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि टैक्स चोरी या वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में क्या तथ्य सामने आते हैं।

सांसद विजय हांसदा ने सुप्रिया मुर्मू संग रचाई शादी

रांची (एजेंसी): राजमहल से झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद विजय हांसदा विवाह बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने सुप्रिया मुर्मू के साथ सादगीपूर्ण समारोह में शादी रचाई। यह विवाह सादगीपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और करीबी शुभचिंतक शामिल हुए। विवाह समारोह की खूबसूरत तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर नवविवाहित जोड़े को लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं। शादी की तस्वीरों में विजय हांसदा और सुप्रिया मुर्मू चर्च में वैवाहिक परिधान में बेहद आकर्षक नजर आ रहे हैं। इस शुभ अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी समारोह में शामिल हुईं और नवदंपत्ति को आशीर्वाद व शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि विजय हांसदा और उनकी पत्नी सुप्रिया मुर्मू के शुभ विवाह समारोह में शामिल होकर उन्हें सुखद वैवाहिक जीवन की हार्दिक बधाई देने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि परिवारजनों और शुभचिंतकों के बीच आयोजित यह विवाह समारोह बेहद सुंदर रहा। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ईश्वर से प्रार्थना की कि नवविवाहित दंपत्ति का जीवन अनंत खुशियों से सदैव पूर्ण रहे।

इधर, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही विवाह की तस्वीरों पर लोग भी नवदंपत्ति को शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना कर रहे हैं।

ग्रामीण कार्य विभाग में पांच कार्यपालक अभियंताओं का तबादला

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग ने पांच कार्यपालक अभियंताओं के तबादले एवं पदस्थापन का आदेश जारी किया है। इस संबंध में बुधवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है।

तबादला और नई पदस्थापना इस प्रकार है- रामाकांत को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, साहेबगंज से स्थानांतरित कर ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जामताड़ा का कार्यपालक अभियंता बनाया गया।

मुकेश कुमार बमबम को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, जामताड़ा से स्थानांतरित कर ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, साहेबगंज का कार्यपालक अभियंता नियुक्त किया गया।

सूरज प्रकाश चौधरी, जिनकी सेवाएं जल संसाधन विभाग से प्राप्त हुई हैं, को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग का कार्यपालक अभियंता बनाया गया।

प्रदीप सिंह, जिन्हें जल संसाधन विभाग से सेवा प्राप्त हुई है, को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, देवघर में कार्यपालक अभियंता के पद पर पदस्थापित किया गया।

राजीव कुमार, जिन्हें जल संसाधन विभाग से सेवा प्राप्त हुई है, को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कोडरमा का कार्यपालक अभियंता नियुक्त किया गया।

पृष्ठ एक का शेषांश

पथ निर्माण के लंबित---

कराने पर जोर देते हुए कहा कि इससे जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित होगी तथा आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सड़कों की खराब स्थिति, गड्ढों, जलजमाव एवं निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की लगातार जानकारी मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा उनका अद्यतन रिकॉर्ड रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु में सड़कों की स्थिति बिगड़ने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कर यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन परियोजनाओं में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में कई सड़क, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ प्रमुख परियोजनाओं को आगामी दो माह के भीतर पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, मुख्यमंत्री ने सोलर साइकिल ट्रैक एवं अन्य नवीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता, मजबूती एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने पुल-पुलियों के किनारों को सुदृढ़ बनाने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता मानकों के पालन के निर्देश दिए।

पासपोर्ट नागरिकता का---

पासपोर्ट जारी कर सकती है, जो इसकी गैर-नागरिकता प्रमाण स्थिति को पुष्ट करता है।

विदेश मंत्रालय के बयान पर विपक्षी कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस नेताओं सुप्रिया श्रीनेत और कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तब फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। पार्टी ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह उन लोगों की नागरिकता पर सवाल उठाने का आधार तैयार कर रही है, जिनसे उसकी राजनीतिक असहमति है।

अमेरिका की रूसी तेल---

भारत के संदर्भ में, हाल ही में जून माह में देश ने रूस से रिकॉर्ड २६.१ लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो उसके कुल तेल आयात का ५२.४ प्रतिशत था। इसका मतलब है कि पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में से एक से ज्यादा रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है और मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में लगभग ३९ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस बिल में रूस के अधिकारियों, उसके शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में ५०० प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे बाद में घटाकर १०० प्रतिशत किया गया। हालांकि, रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कुछ यूरोपीय देशों को राहत मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत १५ यूरोपीय देशों को प्रस्तावित १०० प्रतिशत टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को छूट इसलिए मिली है क्योंकि वे रूस से १५ प्रतिशत से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता कम कर रहे हैं। यह बिल अमेरिकी सीनेट में बाइपार्टिसन समर्थन के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस प्रस्ताव पर सहमत हैं। हालांकि, कानून बनने के लिए अभी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) दोनों से मंजूरी लेनी होगी, जिसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर आवश्यक है।

विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा---

समान रूप से भाग लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ. शेख मकबूल इस्लाम वर्ष १९९२ से भगवान जगन्नाथ पर शोध कर रहे हैं और इस विषय पर १४ से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं। वर्ष १९९६ से उनके घर में भगवान जगन्नाथ का विग्रह स्थापित है, जबकि २००९ से वे हर वर्ष इस विशेष परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। वे अपनी परंपरा का आधार कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक आत्मानं रथिनं विद्धि, शरीरं रथमेव तु को बताते हैं। उनके अनुसार, जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं। डॉ. इस्लाम पूरी तरह शाकाहारी हैं और पुरी की परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ को ३५ प्रकार के सात्विक भोग अर्पित करते हैं। उनकी यह पहल धार्मिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का अनूठा उदाहरण मानी जाती है।

अब नहीं मिलेगा किसी योजना राशि के खर्च का एकमुश्त आवंटन का अधिकार

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार की माली हालत ठीक नहीं है। इस कारण राज्य सरकार अपनी आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए कई तरह के विकल्पों पर एक साथ काम प्रारंभ कर दिया है। सरकार के कोष में खर्च के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध रहे, इसके लिए वित्त विभाग अब एकमुश्त आवंटन आदेश नहीं जारी करने का सैद्धांतिक फैसला किया है। जल्द ही इस संबंध में विभाग द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर दिया जाएगा। उसमें वित्त विभाग पार्ट आवंटन जारी करने का फरमान सुनाएगा।

मालूम हो कि राज्य सरकार अपने बजट में विभागीय योजनाओं को शामिल करता है। बजट को विधानसभा से स्वीकृति मिल जाने के बाद वित्त विभाग की सहमति से विभाग स्वीकृत्यादेश जारी करता है। इसके बाद फिर वित्त की सहमति से संबंधित विभाग आवंटन आदेश जारी करता है। इस आदेश के बाद बजटीय राशि की निकासी का फरमान है।

लेकिन सरकार की वित्तीय स्थिति को देखते हुए वित्त विभाग अब पार्टवाइज आवंटन आदेश जारी करने का निर्णय लिया है। ताकि किसी योजना की संपूर्ण राशि की एक साथ निकासी नहीं की जा सके। इसके पीछे वित्त विभाग का तर्क है कि योजना के पूरा होने में समय लगता है। इसलिए जैसे जैसे किसी योजना का काम पूरा होता जाएगा, उस अनुरूप विभाग उसका पेंमेंट करेगा। इससे सरकार के कोष में आवश्यक राशि हमेशा उपलब्ध रहेगी।

2700 करोड़ का भारी नुकसान

१५ वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित राशि नहीं मिलने से झारखंड को लगभग २७०० करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार वित्त आयोग ने ग्रामीण विकास विभाग को तीन वित्तीय वर्षों में लगभग ४१०० करोड़ देने की अनुशंसा की थी। प्रथम वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार को लगभग १३७० करोड़ की राशि प्राप्त हो गयी। लेकिन अंतिम दो वित्तीय वर्षों की लगभग २८०० करोड़ की राशि में विभाग मुश्किल से २००० करोड़ ही प्राप्त कर सका। क्योंकि स्टेट फायनांस कमिशन का गठन नहीं होने और समय पर यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट जमा नहीं किए जाने की वजह से केंद्र ने लगभग २८०० करोड़ की राशि रोक दी थी।

अब ३१ मार्च २०२६ को १५ वें वित्त आयोग का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद लगभग ८०० करोड़ की राशि लेने से झारखंड वंचित हो गया है। इसी तरह नगर विकास विभाग को भी तीन वित्तीय वर्षों में लगभग २१०० करोड़ की राशि मिलनी थी। नगर निकायों का चुनाव नहीं होने के कारण केंद्र ने अनुदान की यह राशि भी रोक दी थी।

झारखंड ने फरवरी २०२६ में नगर निकायों का चुनाव करा कर राशि रिलीज करने की केंद्र से अनुशंसा की। उसके बाद केंद्र सरकार ने दो किश्तों में ११८ एवं १७८ करोड़ की राशि रिलीज की। इसके बाद भी राज्य सरकार केंद्र पर शेष राशि को रिलीज करने का आग्रह और दबाव बना रहा था। लेकिन केंद्र ने राज्य सरकार की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए पिछले दिनों नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को स्पष्ट जवाब दे दिया। उसमें कहा गया है कि १५ वें वित्त आयोग का कार्यकाल समाप्त हो जाने के कारण, अब शेष राशि झारखंड को नहीं दिया जा सकेगा।

वित्त मंत्री के आदेश के बाद भी विभाग नहीं लौटा रहे पीएल एकाउंट के पैसे

जानकारी के अनुसार नयी सरकार गठन के समय विभिन्न विभागों के पीएल एकाउंट में लगभग २२ हजार करोड़ की राशि जमा थी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा दबाव बनाये जाने और विभागीय फरमान जारी किए जाने पर लगभग ३५०० करोड़ की राशि विभागों ने वापस कर दी है। लेकिन १८००० करोड़ से अधिक की राशि अभी भी पीएल खाते में ही जमा है। पूर्व वित्त सचिव अमित खरे के समय विभाग ने दो वर्ष तक पीएल एकाउंट में राशि रखने की स्वीकृति दी थी। वर्तमान सरकार ने अब इस अवधि को बढ़ा कर ४ वर्ष कर दिया है। लेकिन चार वर्ष और उससे अधिक समय से जमा हजारों करोड़ रुपए अब भी विभाग वित्त विभाग को वापस नहीं किया है।

बच्चों को गलत संगत से बचाने माता-पिता रहें सजग

हर माता-पिता की यह स्वाभाविक चिंता होती है कि उनका बच्चा कहीं किसी गलत संगत का शिकार न हो जाए। विशेषकर स्कूली शिक्षा के महत्वपूर्ण वर्षों में, यह सोच पूरी तरह से जायज है, क्योंकि यही वह दौर होता है जब बच्चे नए दोस्त बनाते हैं और उनकी संगत का सीधा असर उनके व्यक्तित्व और व्यवहार पर दिखने लगता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चा इस दौरान गलत संगत में पड़ जाता है, तो इसका बुरा प्रभाव जीवनभर बना रह सकता है। ऐसे में माता-पिता की सजगता और सही मार्गदर्शन बच्चों को इस चुनौती से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बच्चों को गलत संगत से दूर रखने का पहला कदम उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका बच्चा किन लोगों के साथ उठ-बैठ रहा है और उनके दोस्त कैसे हैं। इस जानकारी से आप किसी भी संभावित खतरे को पहले ही भांप सकते हैं और अपने बच्चे को गलत रास्ते पर जाने से बचा सकते हैं। बच्चों के दोस्तों को करीब से जानने का एक प्रभावी तरीका यह है कि आप अपने घर पर समय-समय पर किड्स पार्टी का आयोजन करें। यह उनके जन्मदिन के अवसर पर हो सकता है, या फिर आप आइसक्रीम पार्टी जैसे छोटे आयोजन भी रख सकती हैं। इससे आपको हर बच्चे से व्यक्तिगत रूप से मिलने और उनके स्वभाव को समझने का अवसर मिलेगा। बच्चों से व्यवहार करते समय उनकी भावनात्मक प्रकृति को समझना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जो बच्चे ज्यादा संवेदनशील होते हैं, उनके साथ अत्यधिक सख्ती से पेश आने से बचना चाहिए। ऐसे बच्चों से आपको नर्मी बरतनी होगी, क्योंकि वे अक्सर अधिक समझदार होते हैं और प्यार से समझाई गई बातों को आसानी से ग्रहण करते हैं। इसके विपरीत, सख्ती दिखाने पर बात बिगड़ सकती है और ऐसे बच्चे और अधिक प्रभावित होकर गलत दिशा में जा सकते हैं। गलत संगत से बचाने का एक और प्रभावी तरीका है कि माता-पिता स्वयं अपने बच्चों के दोस्त बन जाएं। अक्सर, जिन बच्चों के माता-पिता व्यस्त रहते हैं और उन्हें पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते, वे अकेला महसूस करते हैं और बाहर की दुनिया में दोस्ती ढूंढने लगते हैं। यदि आप उनके दोस्त बन जाते हैं, तो उन्हें बाहर दोस्त बनाने की उतनी आवश्यकता महसूस नहीं होगी और उनके दोस्तों का दायरा भी सीमित रहेगा। जब आपकी उनसे अच्छी बॉन्डिंग होगी, तो बच्चा हर बात आपसे साझा करेगा और आपकी सलाह को सुनेगा भी। इस स्थिति में, आप अपनी बातों और भरोसे से ही बच्चे को किसी भी गलत संगत या बुरी आदतों से दूर रख सकती हैं इन सब के लिए बच्चों को पर्याप्त समय देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब आप अपने बच्चे को पर्याप्त समय देते हैं, तो इससे आपके और बच्चे के बीच का बंधन मजबूत होता है। बच्चा अपनी हर बात आपसे आसानी से कह पाएगा, और किसी भी परेशानी में आप उसकी मदद कर पाएंगे। यह मजबूत भावनात्मक रिश्ता ही आपके बच्चे को बुरी संगत में पड़ने से बचाने का सबसे बड़ा कवच साबित होगा।

अपने बच्चे को अक्सर पीट दिया करते हैं तो आज से ही छोड़ दें ये आदत

माता-पिता के लिए अपने बच्चों को अनुशासन में रखने का काम काफी चुनौतीपूर्ण होता है. जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होगा, उसके नखरे और मांगें भी बढ़ती जाएंगी. ऐसे में कई माता-पिता अपने बच्चे को अनुशासित करने के लिए उसे पीटते और डांटते है. लेकिन, हम में से ज्यादातर लोगों को इस बात का एहसास नहीं है कि अनुशासन की आड़ में बच्चों को आक्रामक तरीके से पीटना, डांटना उनके मासूम मन पर बहुत बुरा प्रभाव डाल सकता है. इससे बच्चे माता-पिता से दूरी बना सकते हैं और बच्चे विद्रोही और गुस्सैल भी बन सकते है. आइए जानें इसके और क्या-क्या नकारात्मक प्रभाव बच्चों पर पड़ते हैं.

बच्चे की पिटाई करने के नेगेटिव प्रभाव

यदि आप अपने बच्चे को मारकर या उस पर चिल्लाकर अनुशासित करते हैं तो इससे आपके बच्चे को एक तरह का लाइसेंस मिल जाता है. उसे लग सकता है कि अगर आसपास के लोगों ने कोई गलती की है तो वो उसकी पिटाई कर सकता है. छोटी-छोटी गलतियों के लिए अपने बच्चे को पीटने से उसके अंदर डर की भावना पैदा हो सकती है और उसे लग सकता है कि अपने से छोटे लोगों को मारना ठीक है.

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि पिटाई के डर से बच्चा अनुशासित रहेगा, लेकिन ऐसा होता नहीं है. पिटाई की वजह से उसके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास पर असर हो सकता है. जितना अधिक आप उसे मारेंगे, उतना ही वह गलतियां करेगा.

बच्चे को छोटी-छोटी गलती पर पीटने से वो गुस्सैल बन सकता है. यह बात सही है कि यदि आपका बच्चा कुछ गलत करता है तो आपको गुस्सा आएगा, लेकिन अगर आप उसे छोटी-छोटी बातों के लिए पीटेंगे, तो आप अपने बच्चे में भी गुस्से के बीज बोएंगे. आपके बच्चे में बड़े होने के दौरान इमोशनल इश्यू डेवलप हो सकते हैं.

अपने बच्चों को मारने वाले माता-पिता को अक्सर इस बात का एहसास नहीं होता है कि उन्हें मारकर वे बच्चों को खुद से दूर कर रहे हैं. यदि आप अपने बच्चे को बार-बार मारते हैं, तो वह एक या दो बार डर जाएगा, लेकिन एक पॉइंट के बाद वह विद्रोही बन सकता है. उसे पता चल जाएगा कि आप जो सबसे बुरा करेंगे वह पिटाई होगी, इसलिए वह आपकी बातों को न सुनकर जैसा वह चाहता है वैसा ही करने लगेगा.

बच्चे को पीटना उसे भावनात्मक रूप से भी आहत करता है. यदि आप लगातार अपने बच्चे को मारते हैं और उसे अक्सर कहते हैं कि वह गलत है या बुरा, तो वह सोचेगा कि वह एक अच्छा इंसान नहीं है. बड़े होने पर भी उसके साथ ये भावना जुड़ी रहेगी और उसके मन में अपने लिए कोई सम्मान नहीं होगा. 'बुरे' बच्चे वाली छवि लंबे समय तक उसे परेशान कर सकती है.

क्या पपीते के पत्तों का जूस बुखार में देता है राहत?

बुखार होने पर शरीर कमजोर हो जाता है और जल्दी ठीक होने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं। इन्हीं में से एक है पपीते के पत्तों का जूस जिसे प्राचीन समय से एक असरदार नुस्खा माना जाता रहा है। खासकर डेंगू जैसे बुखार में यह उपाय काफी चर्चा में रहता है। माना जाता है कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और प्लेटलेट्स को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह जरूरी है कि इसे चमत्कारी इलाज समझने के बजाय एक सहायक उपाय के रूप में ही लिया जाए। सही मात्रा और सही जानकारी के साथ इसका सेवन करने पर यह बुखार के दौरान शरीर को बेहतर तरीके से रिकवर करने में मदद कर सकता है।

कैसे बनाया जाता है यह जूस?

पपीते के ताजे पत्तों को अच्छे से धो लें। इसके बाद इन्हें पीसकर इसका रस निकाल लें। इस जूस को छानकर थोड़ी मात्रा में पिया जाता है। ध्यान रखें कि इसका स्वाद कड़वा होता है, इसलिए इसे कम मात्रा में ही लेना चाहिए।

इसके संभावित फायदे

प्लेटलेट्स बढ़ाने में मददः कई लोग मानते हैं कि पपीते के पत्तों का जूस प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकता है, जो डेंगू के दौरान कम हो जाते हैं। इम्युनिटी को सपोर्टः इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

कमजोरी दूर करने में सहायकः बुखार के दौरान शरीर कमजोर हो जाता है। यह जूस शरीर को थोड़ा एनर्जी देने में मदद कर सकता है।

शरीर को डिटॉक्स करने में मददः यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालने में सहायक माना जाता है, जिससे शरीर जल्दी रिकवर करता है।

क्या यह सच में चमत्कारी है?

हालांकि यह नुस्खा बहुत लोकप्रिय है, लेकिन इसे 'चमत्कारी इलाज' मानना सही नहीं है। यह एक सहायक उपाय हो सकता है, लेकिन बुखार का सही इलाज डॉक्टर की सलाह से ही होना चाहिए।

किन बातों का रखें ध्यान?

इसे ज्यादा मात्रा में ना लें, गर्भवती महिलाएं इसे लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें, बच्चों को देने से पहले सावधानी बरतें और अगर एलर्जी हो, तो तुरंत बंद करें।

डॉक्टर की सलाह क्यों जरूरी है?

अगर बुखार लंबे समय तक बना रहे या ज्यादा बढ़ जाए, तो इसे नजरअंदाज ना करें। घरेलू नुस्खे केवल हल्की समस्या में ही मदद करते हैं। सही इलाज के लिए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

नोटः पपीते के पत्तों का जूस एक पुराना और लोकप्रिय घरेलू नुस्खा है, जो बुखार में सहायक हो सकता है। लेकिन इसे सही मात्रा और सही जानकारी के साथ ही अपनाना चाहिए। हमेशा याद रखें कि स्वास्थ्य के मामले में डॉक्टर की सलाह सबसे जरूरी होती है।

बच्चों की जुकाम-खांसी से पेट दर्द तक में फौरन राहत देंगे दादी मां के असरदार नुस्खे

बच्चों को सर्दी-खांसी, जुकाम, पेट में दर्द जैसी समस्याएं अक्सर होती हैं। इसके लिए आजकल की मां दवाई या डॉक्टर की फौरन सलाह ले लेती हैं। पहले के जमाने में इन चीजों के लिए दादी-नानी के नुस्खे काफी असरदार होते थे।

आजकल हम हर छोटी-बड़ी चीजों के लिए बच्चों को फौरन दवाई दे देते हैं, फिर चाहे उन्हें सर्दी-खांसी हो या पेट में दर्द। पहले के जमाने में दादी-नानी बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के घरेलू नुस्खे अपनाया करती थीं, जो आप भी कारगर साबित होते हैं। इन नुस्खों के बारे में आजकल की मॉडर्न मॉम को कम पता है लेकिन हर मां को ये जानना जरूरी है। छोटी-बड़ी चीज के लिए बच्चे को दवाई देना उनकी सेहत के लिए भी बुरा है और इम्यूनिटी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपके घर में छोटा बच्चा है, तो दादी के ये 4 पुराने और असरदार नुस्खे जरूर ट्राई करें। इन नुस्खों की मदद से बच्चे की सर्दी-खांसी से लेकर पेट दर्द तक में फौरन आराम आ जाएगा। चलिए आपको इनके बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

दादी मां के 4 असरदार नुस्खे-

1- जुकाम-खांसी के लिए तेल

अगर बच्चे को जुकाम-खांसी लगातार बनी रहती है और इससे जकड़न हो गई है, तो सरसों का तेल फायदा करेगा। आपको करना ये है कि सरसों का तेल कढ़ाही में लें और उसमें लहसुन, अजवायन, मेथी दाना डालकर गर्म करें। अब इस तेल को ठंडा करें और किसी शीशी में रख लें। रात में सोने से पहले इस तेल को गुनगुना करें और बच्चे की छाती, पैर के तलवे, हथेलियों पर रगड़ें। ऐसा करने से बच्चे की जकड़न खत्म होगी और जुकाम से रात में नाक नहीं बंद होगी।

2- जायफल वाला नुस्खा

जायफल किचन का मसाला है, जिसका इस्तेमाल सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। दादी मां के नुस्खों के मुताबिक, जायफल का यूज आप बच्चे को हो रहे लगातार जुकाम से राहत दिलाने के लिए भी कर सकती हैं। आपको जायफल को किसी पत्थर या लकड़ी पर 1-2 बूंद पानी के साथ घिसना है। घिसने पर जायफल का अर्क निकल आएगा और उसे आप चम्मच में रख लें। मां के दूध के साथ जायफल के इस पेस्ट को मिक्स करें और बच्चे को चटा दें। बच्चे को लगातार हो रहा जुकाम खत्म हो जाएगा। इसकी तासीर गर्म होती है और ये सर्दी-खांसी में राहत दिलाता है। ध्यान रखें कि गर्मी में जायफल ज्यादा नहीं देना है और सर्दी में इसे हफ्ते में दो बार दे सकते हैं।

3- पेट दर्द के लिए हींग

छोटे बच्चों को अक्सर पेट में दर्द या फिर गैस की समस्या रहती है। इसकी वजह से बच्चे रोते रहते हैं और कई बार मां का दूध भी नहीं पीते। ऐसी सिचुएशन में अक्सर मां या घर के बड़े समझ नहीं पाते कि आखिर बच्चे को हुआ क्या है। अगर बच्चा दूध नहीं पी रहा है और रोए जा रहा है, उसका पेट फूला लग रहा है। तो आपको दादी मां का हींग वाला नुस्खा अपनाना है। हींग को गुनगुने पानी में घोल लें और बच्चे की नाभि के किनारे लगा दें। हींग से पेट दर्द और गैस में फौरन राहत मिलती है।

4- डकार के लिए

दादी मां के अनुसार बच्चे के दूध पिलाने के बाद डकार दिलाना बेहद जरूरी होता है, वरना बच्चा रोता है। कई बार बच्चे दूध भी पलटने लगते हैं। दादी मां ने इसके लिए तरीका बताया है कि बच्चे को सीधा लेटा दें, उसके पैर को साइकिल की पोजिशन में चलाएं। इसके अलावा कंधे पर लेटाकर थपकी दें। वैसे तो अजवायन पाउडर को पानी में घोलकर भी पिलाया जाता है लेकिन ये तब दें जब नॉर्मल तरीकों से डकार न आ रही हो। अगर बच्चा ज्यादा रो रहा है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

उच्चतर शिक्षा का उभरता हुआ बड़ा केंद्र है हॉन्ग कॉन्ग

गौतम का फिजिक्स में इंजिनियरिंग करने का सपना था। जब वह अपने इस सपने को पूरा करने के लिए निकले तो कभी नहीं सोचा था कि इसकी वजह से वह अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों से मिल सकेंगे और खुले विचारों वाला बन सकेंगे। उन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के विकल्प को चुना, अलग-अलग परिस्थिति में अलग-अलग तरह के लोग क्या सोचते हैं यह सीखा, विविधता के अनुकूल खुद को ढाला और उन्होंने खुद को पूरी तौर पर बदल लिया।

हॉन्ग कॉन्ग एक उभरता हुआ मेट्रोपोलिस है और उच्चतर शिक्षा का बड़ा केंद्र है। अमेरिका और इंग्लैंड की कई यूनिवर्सिटियों के मुकाबले यहां ट्युशन फीस कम हैं और वीजा पॉलिसी भी काफी आसान है। नीचे कुछ कारण दिए गए हैं जो हॉन्ग कॉन्ग को भारतीय छात्रों के लिए उच्चतर शिक्षा का बेहतर स्थान बनाते हैं। हॉन्ग कॉन्ग एक प्रतिष्ठित शिक्षा केंद्र है। क्यूएस सर्वश्रेष्ठ छात्र शहर रैंकिंग में इसको 14वां स्थान मिला है। इसने यूनिवर्सिटी रैंकिंग इंडिकेटर में खासतौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसका कारण है कि यहां अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त कई यूनिवर्सिटी हैं। एशिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटी में से 4 और दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 यहां हैं। **हॉन्ग कॉन्ग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी** जैसे संस्थान उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मजबूत रिसर्च नेटवर्क मुहैया कराते हैं।

संस्कृति और व्यापार के मिश्रण का अनोखा गढ़

इस चमक-दमक भरे शहर में दुनिया भर के लोग रहते और काम करते हैं। इससे संस्कृति और धरोहर का अनोखा मिश्रण तैयार हुआ है जहां पूरब की संस्कृति का मिलन पश्चिम की संस्कृति से होता है। ऐसा कहीं और नहीं है। इसके अलावा आकर्षक टैक्स स्ट्रक्चर, आधुनिक आधारभूत ढांचे और चीन एवं अन्य एशियाई बाजार के करीब होने के कारण हॉन्ग कॉन्ग कॉर्पोरेशंस और स्टार्ट अप्स के लिए आकर्षक स्थान है। इसलिए हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने से मजबूत सामाजिक और पेशेवर संबंध बनता है जो अवसरों के इस गढ़ में किसी को करियर की शुरुआत करने में अहम साबित हो सकते हैं।

अगर आप विदेश से अंडरग्रैजुएट डिग्री करना चाहते हैं तो हॉन्ग कॉन्ग की पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपकी बेस्ट चॉइस हो सकती है। इसकी प्रफेशनल एजुकेशन में मजबूत पकड़ है और हॉन्ग कॉन्ग के बिजनस एवं इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है। यह यूनिवर्सिटी देश के अंदर और बाहर अपने लिंक के लिए भी जानी जाती है जिससे आपको चीन की सीमा के बाहर जाकर भी रोजगार खोजने में आसानी होगी।

बाहरी ग्रैजुएट्स के लिए इमिग्रेशन

बाहरी ग्रैजुएट जिन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में फुल टाइम और स्थानीय तौर पर मान्यता प्राप्त प्रोग्राम में अंडरग्रैजुएट या हायर क्वॉलिफिकेशन हासिल किया है और रोजगार के लिए एचकेएसएआर में प्रवेश करना /रहना चाहते हैं, वे आईएएनजी के लिए प्रफेशनल के तौर पर आवेदन कर सकते हैं। उनको 12 महीने की अवधि तक रहने की अनुमति मिल जाएगी बशर्ते कि उन्होंने इमिग्रेशन से जुड़ीं आम जरूरतों को पूरा किया हो।

हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के कुछ और फायदे निम्नलिखित हैं...

- मेरिट आधारित पॉलीयू एंट्री स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर यानी करीब 17 लाख 36 हजार रुपये मिलता है। इसको शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर रिन्यू किया जा सकता है।
- पॉलीयू में बाहरी छात्रों के लिए दो सालों तक यूनिवर्सिटी की ओर से रहने का प्रबंध किया जाता है।
- इंटर्नशिप की गारंटी (स्थानीय या विदेशी)
- किसी विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस से स्टडी के अवसर की गारंटी

इंजीनियरिंग के बाद ये कोर्सेस भी कर सकते हैं आप

हर व्यक्ति के लिए करियर इंपोर्टेंट होता है। हर फील्ड में कई सारे ऑप्शन होते हैं। करियर ग्रोथ के लिए आप इंजीनियरिंग के बाद एमबीए के अलावा अगर कुछ करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे कोर्स जो आप सेलेक्ट कर सकती हैं और अपना करियर बना सकती हैं।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग

यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स होता है और यह 2 साल का कोर्स है। यह इंजीनियरिंग कोर्स आपको कंसीडरेशन और डिजाइन का एनालिसिस, स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी, जनरल सेफ्टी, कंस्ट्रक्शन रिलायबिलिटी, विद स्टैंडिंग सिस्मिक फोर्सेस और बिल्डिंग फेलियर को समझने और विश्लेषण करने में मदद करता है। कई टॉप कॉलेज इस कोर्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम भी करवाते हैं।

रोबोटिक कोर्स

यह कोर्स आप भारत के अलावा किसी अन्य देश से भी कर सकती हैं। यह एक लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटेड कोर्स है और आप इस क्षेत्र से जुड़ने के बाद कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम जैसे क्षेत्र में शानदार करियर बना सकती हैं। इस कोर्स को कंप्लीट करने के लिए 4 साल का समय लगता है।

प्रोडक्ट डिजाइनर

प्रोडक्ट डिजाइनर वह होता है जो डिजाइनिंग पर वर्क करता है। जो लोग रोजमर्रा के उपयोग में आने वाले उत्पादों के डिजाइन करने और विकसित करने का काम करते हैं वह प्रोडक्ट डिजाइनर होता है। किसी भी प्रोडक्ट को ग्राहक की पसंद के अनुसार बेहतर बनाने के लिए प्रोडक्ट डिजाइनर सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं और किसी भी प्रकार के प्रोडक्ट्स को डिजाइन करना एक लर्निंग टास्क भी होता है। एक प्रोडक्ट डिजाइनर कोर्स करने में 1 से 4 साल भी लग सकते हैं। यह कोर्स करके आप मार्केटिंग कंपनी में भी जॉब कर सकती हैं।

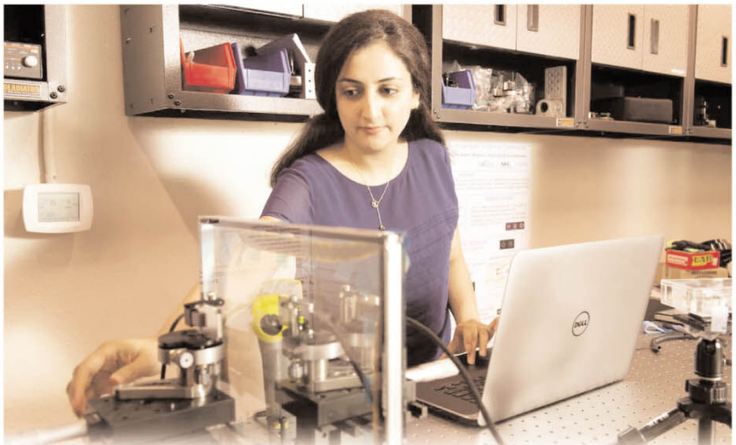

युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है क्वांटम इंजीनियरिंग

आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

इंजीनियरिंग में करियर को आगे बढ़ाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग भी कमाल की विधा है, यह आने वाले भविष्य की एक रोमांचक तकनीक है, और इस क्षेत्र में कौशल वाले पेशेवरों की भारी मांग है। अगर आप क्वांटम कंप्यूटिंग जॉब्स और करियर बनाने में रुचि रखते हैं, तो यहां आपके लिए कुछ दिलचस्प टिप्स दिए गए हैं -

दरअसल, क्वांटम तकनीक वह शाखा है, जो खास तौर पर क्वांटम मैकेनिक्स का इस्तेमाल करके नई तकनीकों को विकसित करती है। यह क्वांटम बिट्स का (क्यूबिट्स) इस्तेमाल करके तेज, अद्भुत गणना और सुरक्षित संचार साधने की कोशिश करती है, जिससे कंप्यूटिंग और संचार क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए स्तर की संभावनाएं उत्पन्न हो रही हैं।

आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र माना जा रहा है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

यहां से करें क्वांटम तकनीक में कोर्स

अगर आप क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, तो आप भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय समेत अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता को पूरा कर सकते हैं। कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों में क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जो छात्रों को क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में मार्गदर्शन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त बीएससी एवं एमएससी के छात्रों के लिए भी इस क्षेत्र में विकल्प मौजूद हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग के मूल सिद्धांतों को समझना, जैसे कि सुपरपोजिशन, उलझाव और क्वांटम सर्किट। ऑनलाइन कोर्स, किताबें और ब्लॉग पोस्ट आपके ज्ञान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

क्वांटम तकनीक की स्पेस एवं डिफेंस में भी है संभावनाएं

स्पेस एवं डिफेंस के क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से क्वांटम तकनीक बेहद कारगर है। क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा करने के पश्चात आप नासा, डीआरडीओ और इसरो जैसे संस्थानों से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। इन संगठनों में तकनीकी और अनुसंधान से संबंधित जानकारी के साथ-साथ आपको क्वांटम तकनीक का भी ज्ञान होना जरूरी है।

क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में जानकारी के साथ आपको स्पेस क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिल सकता है।

क्वांटम कंप्यूटिंग के कई एप्लिकेशन के बारे में जानें, जैसे कि मशीन लर्निंग, सिमुलेशन, क्रिप्टोग्राफी और सामग्री विज्ञान। अपने पसंद के क्षेत्र में गहन ज्ञान विकसित करना आपको अलग दिखाएगा।

क्वांटम तकनीक से विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा अवसर

आपने क्वांटम तकनीक से संबंधित सभी पात्रताओं को पूरा कर लिया है, तो आप निजी क्षेत्र में भी अवसरों को तलाश कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स में नौकरी, अनुसंधान और उत्पादों को विकसित करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। सुपर कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नैनो-तकनीकी जैसे क्षेत्रों में क्वांटम तकनीक का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है, जिससे निजी कंपनियां संचार को सुरक्षित रखने के लिए नए उत्पादों और सेवाओं का निर्माण कर रही हैं। इसके अलावा युवाओं को कुशल बनाने के लिए भारत सरकार इस क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है।

क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता

- क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी में एमएससी
- क्वांटम कंप्यूटिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- क्वांटम इंजीनियरिंग में बीटेक एमटेक
- क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग में शॉर्ट-टर्म कोर्स
- क्वांटम तकनीक में डॉक्टरेट

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन में करियर ऑप्शन की कमी नहीं

आज के समय में अधिकतर यंगस्टर जर्नलिज्म की फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। जर्नलिज्म करने के बाद आप अलग-अलग मीडिया और कम्युनिकेशन इंडस्ट्री के साथ जुड़ सकते हैं और अपना एक बेहतरीन करियर देख सकते हैं।

आमतौर पर, लोग यह सोचते हैं कि जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप केवल एंकर या न्यूज रीडर ही बन सकते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। यह एक बहुत बड़ा क्षेत्र है और इसमें आपके पास करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद चुन सकते हैं-

बनें जर्नलिस्ट

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद बतौर जर्नलिस्ट अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी न्यूज पोर्टल, अखबार या चैनल के साथ जुड़ सकते हैं और किसी एक फील्ड में काम कर सकते हैं। इस तरह आप पुख्ता जानकारी के साथ सच्ची घटनाओं को जनता के सामने पेश कर पाएंगे।

करें कंटेंट राइटिंग

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद कंटेंट राइटिंग करना यकीनन एक अच्छा विचार है। अगर आपमें लेखन का कौशल पहले से ही है तो जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स आपके इस स्किल्स को और भी अधिक निखारने में मदद करेगा। आप अलग-अलग मीडिया हाउस से लेकर डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियों, विज्ञापन एजेंसियों और अन्य प्रमुख संगठनों के साथ जुड़कर उनके लिए कंटेंट राइटिंग कर सकते हैं। आज के समय में कंपनियां अच्छे कंटेंट राइटर की तलाश में रहती हैं, जो उनके लिए इफेक्टिव कंटेंट लिख सकें और अधिक से अधिक बिजनेस ला सकें।

रेडियो जॉकी

अगर आपकी आवाज में दम है और आपको ऐसा लगता है कि लोग आपको सुनना पसंद करेंगे तो आप बतौर रेडियो जॉकी भी अपना करियर देख सकते हैं। जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप बतौर आरजे अपने करियर को शेप दे सकते हैं। एक सफल रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ अच्छी आवाज होना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उतने ही क्रिएटिव भी हों और लीक से हटकर कुछ नया करने की क्षमता रखते हों।

पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स

अगर आपने जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स किया है और आप न्यूज की दुनिया में कदम नहीं रखना चाहते हैं तो ऐसे में आप बतौर पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स भी अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी व्यक्ति, आर्गेनाइजेशन या कंपनी के लिए पीआर का काम संभाल सकते हैं। दुनिया भर में कंपनियां हमेशा ऐसे कुशल लोगों की तलाश में रहती हैं जो सफलतापूर्वक उनके ब्रांड को रिप्रेजेंट कर सकें और एक बेहतरीन नेटवर्क और रिलेशन बना सकें। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतरीन होने चाहिए।

संभालें डिजिटल मीडिया

आज का जमाना ऑनलाइन का है। ऐसे में अगर आप चाहें तो टीवी या न्यूजपेपर के अलावा ऑनलाइन की दुनिया में भी अपने लिए अवसरों की तलाश कर सकते हैं। मसलन, आप सोशल मीडिया अकांउट्स पर नजर रखें और उनके लिए कंटेंट लिखें। आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के लिए आर्टिकल से लेकर वीडियो आदि तैयार कर सकते हैं।

सक्षिप्त समाचार

ईरान पर यूएस का बड़ा आरोप, सात कारोबारी जहाजों पर हमले का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि पिछले सात दिनों में ईरान ने सात वाणिज्यिक (कमर्शियल) जहाजों को निशाना बनाया, जिससे करीब एक दर्जन नागरिक चालक दल (क्रू) के सदस्य मारे गए, लापता हुए या घायल हुए हैं। अमेरिका ने कहा कि इन घटनाओं के लिए वह ईरान को जिम्मेदार मानता है। सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने बयान जारी कर कहा कि

ईरानी बलों ने जानबूझकर नागरिक जहाजों को निशाना बनाया है। उनके मुताबिक, पिछले एक सप्ताह में ईरान ने सात कारोबारी जहाजों पर हमले किए। इसके अलावा ईरान ने पड़ोसी खाड़ी देशों की ओर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन भी दागे। उन्होंने कहा कि अमेरिका निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डालने वाली ईरान की आक्रामक गतिविधियों के लिए उसे जवाबदेह ठहरा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और जहाजों की आवाजाही को बाधित कर रहा है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे व्यस्त तेल और व्यापारिक मार्गों में से एक माना जाता है। सेंटकॉम ने बताया कि उसने ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने-जाने वाले जहाजों पर नौसैनिक नाकेबंदी फिर से शुरू कर दी है। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कदम ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए उठाया गया है, जिनका इस्तेमाल व्यापारिक जहाजों पर हमलों में किया जा रहा है। अमेरिका के अनुसार, इस अभियान के तहत क्षेत्र में 20 से अधिक अमेरिकी युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान तैनात किए गए हैं। इस बीच भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो जहाजों ; एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा ; पर हुए हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

भारत के सहयोग से नेपाल में बौद्ध साधना भवन का शिलान्यास, सोलुखुम्बु में हो रहा निर्माण

काठमांडो, एजेंसी। भारत के सहयोग से नेपाल के कोशी प्रदेश के सोलुखुम्बु जिले की लिखु पिके ग्रामपालिका में

बौद्ध साधना (गुम्बा) भवन का मंगलवार को शिलान्यास किया गया। लगभग 3.3 करोड़ नेपाली रुपये की लागत वाला यह गुम्बा भवन भारत सरकार की वित्तीय सहायता से उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना के तहत निर्मित किया जाएगा। यह नेपाल के सोलुखुम्बु जिले में इस प्रकार की छठी उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना है। लिखु पिके ग्रामपालिका की अध्यक्ष मीना कार्की बस्नेत और काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के द्वितीय सचिव अजय कुमार सिंह ने गुम्बा भवन की संयुक्त रूप से आधारशिला रखी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने नेपाल में भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे विकास सहयोग की सराहना की।

यूएन में भारत की दो-टूक: 80 साल पुरानी व्यवस्था बदलने की उठाई मांग, कहा- सुरक्षा परिषद में अब सुधार जरूरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में व्यापक सुधारों के लिए अपनी मांग दोहराई। इसके साथ ही बहुपक्षवाद को भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार, महासभा को पुनर्जीवित करने और आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की भूमिका को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

भविष्य के लिए समझौते की समीक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक के दौरान बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने कहा, 'भारत के लिए, बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाने की शुरुआत यह सुनिश्चित करने से होती है कि वैश्विक संस्थाएं समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आगे कहा कि यह सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, महासभा के पुनरुद्धार और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय तीनों आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में ईसीओएसओसी की मजबूत भूमिका की तत्काल

आवश्यकता को रेखांकित करता है।' उन्होंने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के बारे में जनता की धारणा हाल के दिनों में प्रतिकूल रूप से बदल गई है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों में सुरक्षा परिषद की सार्थक हस्तक्षेप करने में असमर्थता है। सुरक्षा परिषद प्रभावित आबादी के बीच मानवीय पीड़ा को समाप्त करने में अप्रभावी रही है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सवालों के घेरे में आ गया है।'

उन्होंने तर्क दिया कि परिषद की कमियां इसकी पुरानी संरचना के कारण हैं। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा परिषद की कमियों का मूल कारण स्पष्ट है। 1940 के दशक के लिए बनाई गई अस्सी साल पुरानी संरचना समकालीन चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ है। एक संगठन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार लाने में कोई खास प्रगति नहीं कर पाया है। अब तक की चर्चाएं आईएनजी ढांचे के तहत तैयार बयानों के अंतहीन चक्र तक ही सीमित रही हैं। कार्रवाई बिंदु 39 से 41 काफी हद तक कागजों पर ही रह गए हैं। यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है और इसमें बदलाव होना चाहिए।' आईजीएन सह-अध्यक्षों द्वारा तैयार किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को उन प्रावधानों पर महत्वपूर्ण आपत्तियां हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक भावना से समझौते का समर्थन करता है। वैश्विक शासन सुधारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'भारत इस बात पर जोर देता है कि हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों सहित वैश्विक शासन संस्थानों में सुधारों को लागू करने के सभी वास्तविक प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेंगे।

भगवानपुरिया गैंग के खिलाफ बढ़ी सख्ती

नीतीश कौशल पर कसा शिकंजा, एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हुआ गैंगस्टर?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने भारतीय नागरिक और गैंगस्टर नीतीश कौशल को अपनी 'मोस्ट वांटेड' अपराधियों की सूची में शामिल कर लिया है। कौशल पर अमेरिका में हत्या, अपहरण और मादक पदार्थों की तस्करी समेत कई गंभीर अपराधों में शामिल होने का आरोप है। यह कार्रवाई एफबीआई द्वारा भगवानपुरिया गैंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। एफबीआई ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि नीतीश कौशल ने भगवानपुरिया गैंग की ओर से अपहरण, हमला और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया है। बयान में कहा गया है कि जग्गू भगवानपुरिया गैंग की शुरुआत भारत के पंजाब से हुई

थी और इसका नेटवर्क अमेरिका के कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट सहित अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है। एफबीआई के मुताबिक, कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट स्थित लॉस एंजिलिस की अमेरिकी जिला अदालत ने 25 जून को नीतीश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उस पर रैकेटियर इन्फ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशंस साजिश के तहत आरोप लगाए गए हैं। भगवानपुरिया गैंग के खिलाफ चलाया गया एक समन्वित अंतरराष्ट्रीय अभियान था। इस अभियान के तहत अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कई देशों में छापेमारी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई की गई। यह अभियान भारत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट्स पर बढ़ती वैश्विक सख्ती को भी दर्शाता है।

कौन है नीतीश कौशल?

एफबीआई के अनुसार, नीतीश कौशल एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन से जुड़ा है, जिस पर हत्या, अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, रंगदारी वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे संगठित अपराधों में लिप्त होने के आरोप हैं। जांच एजेंसी ने चेतावनी दी है कि कौशल को हथियारबंद और बेहद खतरनाक माना जाए। उसके फरार होने की आशंका भी जताई गई है। कार्यालय, अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करें।

चुनाव से पहले सुलगा पीओके: मुजफ्फराबाद कूच से पहले पुलिस की गोली से नौ मरे

खूनी झड़प के बाद राजधानी की घेराबंदी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहा आंदोलन, जन आक्रोश में बदल गया है। ज्वॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बुधवार को प्रस्तावित मुजफ्फराबाद मार्च से पहले पूंछ डिवीजन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस एवं पाकिस्तान रेंजर्स की रातभर हुई हिंसक झड़पों में नौ लोगों की मौत हो गई। इस हिंसा में पाकिस्तान रेंजर्स के दो जवानों की भी मौत हुई है। घटना को लेकर प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के दावे अलग-अलग हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। हजारों प्रदर्शनकारी आज रावलकोट, मीरपुर, कोटली, बाग और अन्य जिलों से मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेंगे, जबकि पाकिस्तान प्रशासन ने राजधानी मुजफ्फराबाद में अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा तैनात कर दिया है। गृह सचिव चौधरी गुफ्तार हुसैन के हवाले से पाकिस्तानी अखबार डॉन ने खबर दी है कि प्रशासन किसी दबाव में नहीं आएगा और जेएएसी के आंदोलन को निर्ममता से कुचल दिया जाएगा।

ईरान के गेहूं भंडारण केंद्र पर अमेरिका का हमला

तेहरान ने जॉर्डन पर दागी मिसाइलें

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और बातचीत पूरी तरह से रुक गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को तबाह करने की नई धमकी दी है। वहीं ईरान बातचीत की मेज पर लौटने को तैयार नहीं है। खाड़ी देशों में भी लगातार हमले जारी हैं और युद्ध के पूरे क्षेत्र में फैलने की आशंका बनी हुई है।

ईरान के पश्चिमी खुजेस्तान प्रांत के होविजेह इलाके में अमेरिका ने एक गेहूं भंडारण केंद्र पर हमला किया है। प्रांत के उप-गवर्नर ने सरकारी समाचार एजेंसी फार्स को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, रात के समय हुए हमले में अमेरिकी मिसाइल ने गेहूं भंडारण केंद्र को प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जॉर्डन ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सेना ने उनके देश को निशाना बनाकर ईरान द्वारा दागी गई मिसाइलों को मार गिराया। इससे पहले तेहरान ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ दोबारा नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर दी है। जॉर्डन की सेना ने सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के जरिए जारी

बयान में कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से दागी गई तीनों मिसाइलों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। अमेरिकी सेना ने बुधवार तड़के कहा कि उसने ईरान को निशाना बनाकर किए गए हमलों का अपना ताजा दौर पूरा कर लिया है। ये हमले ऐसे समय किए गए जब अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान पर दोबारा नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि यह सैन्य अभियान करीब सात घंटे तक चला। इस दौरान ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों के साथ-साथ तटीय रक्षा प्रणालियों और नौसैनिक संसाधनों को निशाना बनाया गया। वहीं, ईरान की ओर से फिलहाल इन हमलों में हुए किसी भी तरह के नुकसान या हताहतों की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

ईरान ने समुद्री नाकाबंदी बहाल करने के अमेरिकी फैसले को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी तरह का दबाव या सैन्य कार्रवाई तेहरान को बातचीत के लिए मजबूर नहीं कर सकती। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि वाशिंगटन का यह कदम क्षेत्र के संकट को और ज्यादा गहरा कर देगा।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने जानकारी दी है कि देश में सुरक्षा चेतावनी के सायरन सक्रिय कर दिए गए हैं। मंत्रालय ने सभी निवासियों से पूरी तरह सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। यह घोषणा क्षेत्र में लगातार बढ़ते तनाव और खाड़ी देशों में अमेरिकी सहयोगियों को निशाना बनाकर किए जा रहे ईरानी हमलों के बीच की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान पर पूरे क्षेत्र में जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि, पिछले सात दिनों में ईरान ने पूरे इलाके में सात कमर्शियल जहाजों पर हमला करके जान-बूझकर आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिससे लगभग एक दर्जन क्रू मेंबर मारे गए, लापता हो गए या घायल हो गए। ईरानी सेना ने पड़ोसी खाड़ी देशों की ओर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन भी दागे हैं। अमेरिकी सेना ईरान को इस गैर-जरूरी आक्रामकता के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है, जिससे बेगुनाह लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान की समाचार एजेंसी फार्स ने दक्षिणी ईरान के बंपुर और चाबहार में कई विस्फोटों की सूचना दी है।

'पुतिन करने वाले थे परमाणु हमला, मोदी ने रोका', पोलैंड के उप विदेश मंत्री ने पीएम की तारीफ में क्या कहा?

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव थियोफिल बार्टोशेवस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। उन्होंने पीएम मोदी को एक बहुत प्रसिद्ध और सम्मानित वैश्विक राजनेता बताया। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारतीय प्रधानमंत्री की बातों पर

ध्यान देते हैं। बार्टोशेवस्की ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि पीएम मोदी ने साल 2022 के अंत में राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन में सामरिक परमाणु हथियारों (टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन्स) का इस्तेमाल करने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पोलिश नेता ने कहा कि पीएम मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अपना प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी उन गिने-चुने लोगों में से एक हैं जो वास्तव में राष्ट्रपति पुतिन पर कुछ दबाव और प्रभाव डाल सकते हैं। भारत इस संघर्ष को रोकने के लिए ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत एक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में रूस और पूर्व सोवियत संघ के साथ लंबे समय से संबंध बनाए हुए है। पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत के रुख को सही बताते हुए बार्टोशेवस्की ने कहा कि भारत एक बड़ा और महत्वपूर्ण देश है। भारत को तेल सहित वस्तुओं के मुक्त प्रवाह से लाभ होता है। भारत खाड़ी देशों से आने वाले तेल और गैस पर बहुत निर्भर है।

आईएसएस पहुंचे भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन: एआई और मेडिकल रिसर्च पर रहेगा फोकस, 8 महीने चलेगा मिशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन और दो रूसी अंतरिक्ष यात्री बुधवार की सुबह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। वे करीब तीन घंटे से अधिक की यात्रा के बाद सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान में सवार होकर आईएसएस पहुंचे। यहां उनके साथगले मिलकर और हाथ मिलाकर स्वागत किया गया।

मेनन और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना को ले जाने वाला रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यान मंगलवार को भारतीय समयानुसार रात 8:17 बजे बैकोनूर से रवाना हुआ। ठीक उसी समय जब कक्षीय प्रयोगशाला कॉस्मोड्रोम के ऊपर से गुजर रही थी।

प्रारंभिक कक्षा में आठ मिनट की चढ़ाई के बाद, सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने के लिए लगभग तीन घंटे की दौड़ शुरू की और रात 11:52 बजे (आईएसटी) प्रिचल मॉड्यूल पर डॉक किया। अंतरिक्ष यात्री ने लगभग 2:00 बजे (ढूस्झ) हैच खुलने से पहले अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष स्टेशन में कई तरह की जांच शुरू की।

नासा के अनुसार, यह मेनन की पहली अंतरिक्ष उड़ान है और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों की दूसरी उड़ान है। संयोगवश, अंतरिक्ष यान का द्वार खुलने ही वाला था कि ट्रैकिंग और डेटा

रिले उपग्रहों से सिग्नल बाधित हो गया, जिसके कारण अंतरिक्ष स्टेशन से लाइव वीडियो फीड का प्रसारण रुक गया। 12 मिनट बाद उपग्रहों के सिग्नल रिले करने की सीमा में वापस आने पर प्रसारण फिर से शुरू हो गया। मेनन के परिवार के सदस्य, जिनमें उनकी अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम और नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन शामिल थे। अंतरिक्ष उड़ान के लिए बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे। ये तीनों अंतरिक्ष यात्री नासा के जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्रियों सर्गेई कुड-स्वर्चकोव, सर्गेई मिकायेव और एंड्री फेड्यायेव के साथ शामिल हुए। मेनन, डुब्रोव और किकिना का मिशन लगभग आठ महीने तक चलेगा और उनके अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम है। नासा के अनुसार, मेनन मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाने और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन करेंगे। रूस की अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी रॉसोट्रुडनिचेस्टवो की प्रमुख येलेना रेमिजोवा ने इससे पहले सरकारी समाचार एजेंसी टास को बताया था कि रॉकेट में भारतीय स्कूली बच्चों की बनाई चित्र होंगे। उन्होंने कहा, 'ये 'फर्स्ट फॉरएवर' प्रतियोगिता के विजेताओं की रचनाएं हैं, जो पृथ्वी के पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागारिन की उड़ान की 65वीं वर्षगांठ और अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में रूस और भारत के बीच सहयोग को समर्पित है।' मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय अप्रवासियों के घर जन्मे मेनन एक आपातकालीन चिकित्सा चिकित्सक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। अमेरिकी वायु सेना में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम के दौरान अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चों पर सेवा की और हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के लिए भी काम किया।

भारत दुनिया के सबसे बड़े निवेश अवसरों में से एक

वे दुनिया के बेहतरीन वार्ताकारों में से एक', ब्रिटिश अधिकारी ने की पीयूष गोयल की तारीफ

लंदन, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद दक्षिण एशिया के लिए यूनाइटेड किंगडम के व्यापार आयुक्त हरजिंदर कांग ने बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को सर्वश्रेष्ठ वार्ताकारों में से एक बताया। ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते के लिए ब्रिटेन के मुख्य वार्ताकार के रूप में काम करने वाले हरजिंदर कांग ने एक साथ कई व्यापार सौदों को संतुलित करने के लिए पीयूष गोयल की प्रशंसा की और उन्हें एक अच्छा दोस्त बताया। दोनों देशों ने पिछले साल जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 15 जुलाई से प्रभावी होगा। लंदन में हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते के तहत ब्रिटेन को होने वाले 90.2% भारतीय निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा और प्रमुख ब्रिटिश उत्पादों पर भारत के आयात शुल्क में भारी कमी आएगी। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कांग ने कहा, 'अब मेरे सभी समकक्षों के साथ मेरी बहुत अच्छी दोस्ती हो गई है। जहां हम वर्षों तक एक-दूसरे से मतभेद रखते थे, वहीं अब हम नियमित रूप से हाथ मिलाते हैं और चाय पीते हैं।

मंत्री गोयल... मैं उनकी सराहना करता हूं। मैंने जितने भी वार्ताकार देखे हैं, उनमें से वे सबसे बेहतरीन हैं। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि वे हमारे साथ-साथ इतने सारे मुक्त व्यापार समझौतों को भी सफलतापूर्वक संभाल रहे हैं। और अब हम अच्छे दोस्त बन गए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) निवेशकों को

अधिक विश्वास और कानूनी संरक्षण प्रदान करके भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रवाह को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत दुनिया के सबसे बड़े निवेश अवसरों में से एक बना हुआ है।

वैश्विक कंपनियां जोखिम-लाभ के नजरिए से निवेश निर्णयों का मूल्यांकन करने के बावजूद देश को तेजी से उच्च-विकास वाले बाजार के रूप में देख रही हैं। लोग भारत के बारे में अपने विचार जोखिम पर प्रतिफल के आधार पर बना रहे हैं। यह विकास का एक बहुत बड़ा अवसर है। कांग ने कहा कि बहुराष्ट्रीय निगम पूंजी लगाने से पहले निवेश जोखिमों के साथ-साथ विकास की संभावनाओं का भी आकलन करते हैं। लंदन में आयोजित वार्षिक यूके इंडिया अवार्ड्स 2026 को याद करते हुए, यूके के व्यापार आयुक्त ने कहा, 'उन्होंने (पीयूष गोयल) कुछ दिन पहले लंदन में ग्लोबल फोरम में हमें एक पुरस्कार दिया और वास्तव में मुझे दर्शकों के बीच खड़ा कर दिया और मेरा नाम लेकर थोड़ा सम्मान जताया। वह पहले दिन से ही भारतीय प्रणाली में निरंतरता बनाए हुए हैं।'

हमें हार में भी सिर ऊंचा रखना चाहिए: एमबाप्पे

स्पेन से हारकर विश्व कप से बाहर हुआ फ्रांस, कप्तान ने बताई पराजय की असली वजह

अटलांटा, एजेंसी। सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों 0-2 से हार झेलने के बाद फ्रांस के कप्तान एमबाप्पे ने माना कि उनकी टीम बड़े मुकाबले के दबाव में अपनी योजना को सही तरीके से लागू नहीं कर सकी। तकनीकी और रणनीतिक दोनों स्तर पर फ्रांस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, जिसका पूरा फायदा स्पेन ने उठाया। इस मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि दूसरे हाफ में पेड्रो पोरो ने दूसरा गोल कर फ्रांस की वापसी की उम्मीदें लगभग खत्म कर दी।

हार के बाद एमबाप्पे ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हार किसी भी टीम के सफर का हिस्सा होती है और उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो सिर ऊंचा रखते हैं, लेकिन जब हारते हैं तब भी सिर ऊंचा रखना पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने उस तरह का खेल नहीं खेला जैसा हम चाहते थे। चाहे बात रणनीति की हो, तकनीक की हो या पूरी टीम के प्रदर्शन की, हम अपने स्तर तक नहीं पहुंच पाए। विश्व कप सेमीफाइनल जैसे मुकाबले में अगर आप अपनी योजना को सही तरीके से लागू नहीं करते हैं तो जीतना मुश्किल हो जाता है।'

स्पेन ने मैच पर रखा पूरा नियंत्रण

एमबाप्पे ने स्पेन की तारीफ करते हुए स्वीकार किया कि विरोधी टीम ने पूरे मैच के दौरान अपनी रणनीति पर अमल किया, जबकि फ्रांस ऐसा नहीं कर पाया। उन्होंने कहा, 'स्पेन ने खेल को नियंत्रित करने में हमसे बेहतर प्रदर्शन किया। हमने उन्हें मैच की गति तय करने का मौका दिया। जब स्पेन जैसी टीम गेंद पर नियंत्रण हासिल कर लेती है तो उनके खिलाफ वापसी करना बहुत मुश्किल हो जाता है।' फ्रांस के कप्तान ने यह भी माना कि उनकी टीम को शुरुआत से अधिक आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए था।उन्होंने कहा, 'हमें आमने-सामने की लड़ाई के लिए तैयार रहना था। स्पेन ऐसी टीम है जिसे ज्यादा दौड़ना पसंद नहीं है। जब हमने गेंद वापस हासिल की तो हमारे शुरुआती पास और टच उस स्तर के नहीं थे जो विश्व कप सेमीफाइनल में होने चाहिए थे।'

टूटा फ्रांस का शानदार रिकॉर्ड

इस हार के साथ विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में फ्रांस का लंबा अजेय अभियान भी समाप्त हो गया। 2014 विश्व कप में जर्मनी से क्वार्टर फाइनल हारने के बाद यह पहला मौका है जब फ्रांस नॉकआउट मुकाबले में पराजित हुआ है। इससे पहले टीम लगातार 11 नॉकआउट मैचों में अजेय रही थी, जिसमें 10 जीत और एक ड्रॉ शामिल था। इसके अलावा विश्व कप सेमीफाइनल में यह फ्रांस की चौथी हार रही। वहीं, स्पेन ने लगातार तीसरे बड़े टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को हराया। इससे पहले यूरो 2024 और नेशंस लीग 2025 में भी स्पेन ने फ्रांस को मात दी थी।

अब तीसरे स्थान के लिए उतरेगा फ्रांस

एमबाप्पे ने कहा कि टीम का सपना फाइनल में पहुंचकर देशवासियों को खुशी देने का था, लेकिन अब खिलाड़ियों को इस हार से उबरना होगा। उन्होंने कहा, 'यह बहुत निराशाजनक है। फाइनल में पहुंचना और अपने देश को सपने देखने का मौका देना हमारा लक्ष्य था। अभी हमारे पास शब्द नहीं हैं, लेकिन हमें खुद को संभालना होगा। छुट्टी के बाद हमें फिर से आगे बढ़ना होगा, क्योंकि क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी कई चुनौतियां बाकी हैं।' अब फ्रांस की टीम तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ मुकाबले में उतरेगी, जहां उसका सामना इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से होगा।

भव्य होगा फीफा विश्व कप का समापन समारोह, नजर आएंगे टॉम क्रूज और रॉबी विलियम्स

न्यू जर्सी, एजेंसी। अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का समापन समारोह भी अभूतपूर्व होगा और न्यूजर्सी स्टेडियम पर होने वाले इस कार्यक्रम में टॉम क्रूज, लौरा पाउसिनी, रॉबी विलियम्स और आईशोस्पीड जैसे वैश्विक सुपरस्टार नजर आएंगे।फीफा ने एक बयान में कहा कि तीन मेजबान देशों और 16 शहरों में हुए इस टूर्नामेंट के समापन समारोह में 48 टीमों के यादगार सफर का जश्न मनाया जाएगा। एमी, ग्रैमी, आस्कर और टोनी पुरस्कार विजेता जेनिफर हडसन फीफा विश्व कप फाइनल से पहले अमेरिका का

राष्ट्रगीत गाएंगी। फीफा विश्व कप 2026 के मुख्य संचालन अधिकारी हेइमो शिरगी ने कहा, उद्घाटन समारोह की भावना को आगे बढ़ाते हुए समापन समारोह में संगीत, संस्कृति और फुटबॉल के जरिये फीफा विश्व कप 2026 का समापन किया जायेगा। इसके बाद उस बहुप्रतीक्षित मैच की शुरुआत होगी जो इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट के चैंपियन का फैसला करेगा।फीफा विश्व कप 2026 अब अपने समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। आज से सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे। पहले सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना टेक्सास में स्पेन से होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। इसके बाद इंग्लैंड का सामना 16 जुलाई को जॉर्जिया में गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा।

मैच जिताऊ पारी का मिला फायदा गिल नंबर 1 पर पहुंचने के करीब

दुबई, एजेंसी भारतीय कप्तान शुभमन गिल दुनिया के नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बनने की ओर एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में गिल की मैच जिताऊ 80 रनों की पारी से उन्हें ICC पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 12 अंकों का फायदा हुआ, जिससे वे टॉप पर मौजूद डेरिल मिशेल (814 अंक) से सिर्फ 11 रेटिंग अंक पीछे (803 अंक) रह गए।

T20 सीरीज के बाद गिल जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ भारत की वनडे टीम में लौटे। उन्होंने भारत के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम की कमान संभाली, लेकिन 75 गेंदों पर 80 रन बनाने के बाद चोट के कारण रिटायर हो गए; उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल था। उनके प्रदर्शन ने भारत को एक मुश्किल दौर से बाहर निकलने में मदद की जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की T20 सीरीज में 4-0 की हार और आयरलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक 2-0 की T20 हार शामिल थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे में 93 रन बनाने के बाद मिशेल रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं जिससे दोनों बल्लेबाजों के बीच नंबर 1 रैंकिंग के लिए रोमांचक मुकाबला शुरू हो गया है। 968 दिनों तक बाहर रहने के बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करते ही बुमराह ने तुरंत असर दिखाया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 1/31 का आंकड़ा हासिल किया और वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 24वें स्थान पर पहुंच गए।

गिल की चोट के बाद भारत का लक्ष्य का पीछा करने का अभियान कुछ देर के लिए लड़खड़ाया, लेकिन अक्षर पटेल (52 गेंदों पर नाबाद 57) और वाशिंगटन सुंदर (63 गेंदों पर नाबाद 52) ने नाबाद शतकीय साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। अक्षर, जिन्होंने पहले 4/62 के आंकड़े के साथ 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता था, को सभी रैंकिंग में काफी फायदा हुआ। वे वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 73वें स्थान पर पहुंच गए, गेंदबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर आ गए और पुरुष वनडे ऑल-राउंडर रैंकिंग में नौवें स्थान के साथ टॉप 10 में जगह बनाई।

सुंदर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, वे बल्लेबाजों की सूची में 24 स्थान ऊपर चढ़कर 177वें और ऑल-राउंडरों की सूची में 16 स्थान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के जो रूट को 76 गेंदों पर शानदार 76 रन बनाने का इनाम मिला और वे वनडे बैटिंग रैंकिंग में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर पहुंच गए। लियाम डॉसन की 68 रनों की बेहतरीन पारी की बदौलत वे 81 स्थान ऊपर चढ़कर 262वें नंबर पर आ गए।

वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच चल रही सीरीज में भी कुछ अहम बदलाव देखने को मिले। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जेडन लेनोक्स ने दूसरे वनडे में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर 5 विकेट लिए जिससे वे 31 स्थान ऊपर चढ़कर श्रीलंका के दिलशान मदुशंका के साथ संयुक्त रूप से 66वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने शुरुआती दो मैचों में 5 विकेट लिए और छह स्थान ऊपर चढ़कर 36वें स्थान पर आ गए।बल्लेबाजों की बात करें तो वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप सीरीज के पहले मैच में नाबाद 87 रन बनाकर एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। शुरुआती दो मैचों में 113 रन बनाने के बाद कीसी कार्टी टॉप 20 में शामिल हो गए। हाल ही में खत्म हुई जिम्बाब्वे-बांग्लादेश वनडे सीरीज में जिम्बाब्वे के ओपनर बेन करन बैटिंग रैंकिंग में 31 स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गए।

शुभमन गिल फिट नहीं हुए तो किसे मिलेगा मौका!

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 6 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद भी टीम इंडिया की टेंशन बढ़ गई है। दूसरे वनडे से पहले कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस पर सस्पेंस बना हुआ है। अगर गिल 16 जुलाई को कार्डिफ में होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं तो भारतीय टीम को प्लेइंग इलेवन में बदलाव करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर शुभमन गिल दूसरे वनडे से बाहर होते हैं तो ईशान किशन सबसे मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। एजबेस्टन में 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुभमन गिल शानदार लय में नजर आ रहे थे और अपने 10वें वनडे शतक की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन 75 गेंदों पर 80 रन बनाने के बाद उन्हें दाएं पैर (हैमस्ट्रिंग/पैर की मांसपेशी) में तकलीफ महसूस हुई। मैदान पर फिजियो से इलाज कराने के बावजूद वह बल्लेबाजी जारी नहीं रख सके और रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। अब उनकी फिटनेस पर अंतिम फैसला मेडिकल टीम की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा। 75 गेंदों में 80 रन बनाने के बाद दाएं पैर में ऐंठन के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। मैच के बाद वॉशिंगटन सुंदर से गिल की फिटनेस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे उनकी फिटनेस के बारे में कोई जानकारी नहीं है।' गुरनूर ब्रार इंग्लैंड की पारी का 48वां ओवर फेंकने आए थे, लेकिन रन-अप के दौरान ही रुक गए। मेडिकल टीम ने मैदान पर उनका इलाज किया, लेकिन दाई पिंडली (काफ) में परेशानी के कारण वह गेंदबाजी पूरी नहीं कर सके। इसके बाद अक्षर पटेल ने ओवर पूरा किया और आदिल राशिद व जोश टंगे के विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी 258 रन पर समेट दी।

सुंदर ने अपनी शानदार पारी का श्रेय कोच को दिया

बर्मिंघम। भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 63 गेंदों पर नाबाद 52 रन की अहम पारी खेली। इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में आए सुधार का श्रेय भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा को दिया। सुंदर ने कहा कि दोनों ने उन्हें अपने खेल को बेहतर तरीके से समझने में काफी मदद की है।एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे में भारत ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया। इस मुकाबले में वॉशिंगटन सुंदर ने अक्षर पटेल के साथ नाबाद 102 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत भारत ने मैच जीतने के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली।

अपनी बल्लेबाजी में आए बदलाव पर बात करते हुए सुंदर ने कहा कि वह हमेशा अपनी तैयारी को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छी तैयारी करने की कोशिश करता हूं। तैयारी के मामले में मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि हर चीज पूरी तरह से करूं। मैं बहुत आभारी हूं कि लोगों ने हमेशा मेरी काबिलियत पर भरोसा किया है।

उन्होंने आगे कहा कि गौतम गंभीर ने हमेशा मुझे समझाया कि मैं बल्लेबाजी से वास्तव में क्या कर सकता हूं और मुझे अपना खेल समझने में मदद की। वहीं गुजरात टाइटंस में आशीष नेहरा ने भी मुझे खुद को बेहतर तरीके से समझने में मदद की, चाहे एक इंसान के तौर पर हो या एक क्रिकेटर के तौर पर। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मेरे आसपास ऐसे लोग हैं, जो हर दिन मुझे बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद कर रहे हैं।वॉशिंगटन सुंदर ने कहा कि एक ऑलराउंडर के रूप में हर दिन बेहतर होना, अपने खेल को समझना और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, ज्यादा मैच खेलने से अलग-अलग परिस्थितियों को समझने और अपनी क्षमता को पहचानने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों का साथ मिला, जिन्होंने हमेशा उनकी स्किल्स पर भरोसा किया और उन्हें अपनी क्षमता पहचानने में मदद की।सुंदर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्हें फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ओपनिंग, मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में फिनिशर जैसी अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाने का मौका मिला।

जापान ओपन में भारत को निराशा, आयुष-उन्नति और लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

अटलांटा। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को संघर्षपूर्ण मुकाबलों में हार गए जबकि लक्ष्य सेन को सीधे गेम में पराजय मिली। एशिया चैम्पियनशिप के उपविजेता आयुष को दूसरी वरीयता प्राप्त पूर्व विश्व चैम्पियन थाईलैंड के कुन्लावुत वितिदसर्न ने 21-19, 23-25, 21-15 से हराया ।विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज उन्नति को चीनी ताइपै की हुआंग यू सुन ने 16-21, 21-16, 21-15 से मात दी। आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य को स्थानीय खिलाड़ी कोकी वातानाबे ने 38 मिनट में 21 -16, 21-14 से हराया।भारत के तीनों खिलाड़ी पहले दौर की बाधा भी पार नहीं कर सके जो अगले महीने दिल्ली में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले अच्छा संकेत नहीं है। भारत 17 साल बाद इसकी मेजबानी कर रहा है। अब भारत की उम्मीदें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित टीम पर टिकी हैं। सिंधू का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा जबकि ध्रुव और तनीषा शीर्ष वरीयता प्राप्त फेंग यान झि और हुआंग डोंग पिंग से खेलेंगे ।

संग्राम सिंह की पाकिस्तानी फाइटर के साथ होगी भिड़ंत, तनाव में मलेशियाई आयोजक

कुआलालम्पुर : जब भी हिंदुस्तान-पाकिस्तान का किसी भी खेल में मुकाबला होता है तो तनाव सिर्फ खिलाड़ियों पर ही नहीं, आयोजकों पर भी खूब देखने को मिलता है। पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह और पाकिस्तान के फाइटर मोहम्मद आबिद अली के बीच रविवार, 19 जुलाई को यहां होने वाली एशिया चैम्पियन खूटाइटिल फाइट को लेकर इसके मलेशियाई आयोजक स्ट्राइक-खूकी इन दिनों नींदें हराम हो गई हैं।

स्ट्राइक-अध्यक्ष इस्माइल मारजुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला का कहना है कि जितना तनाव इस फाइट को लेकर संग्राम सिंह और आबिद अली को होगा, उससे कहीं ज्यादा तनाव उन्हें है। ये फाइट इस आयोजन पर चार चांद भी लगा सकती है और उन्हें मुश्किलों में भी डाल सकती है। इसके लिए सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। ये दोनों पिछले दिनों यहां हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इस फाइट के आयोजन को लेकर तनाव में दिखाई दिए थे।

42 हजार रुपए का टिकट

कुआलालंपुर में होने वाले इस आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में काफी उत्साह है। टिकटें 50 रिंगित (1200 रुपए) से 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) की निर्धारित की गई हैं। टिकटों की बिक्री को लेकर इस्माइल और मोहम्मद हाकिम काफी रोमांचित हैं। यहां गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन एक लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं जबकि वहां पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों का कहना है कि इस फाइट के दौरान बहुत सम्भव है कि एमएमए फैंस के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई दे।

पहले भी हरा चुके हैं पाकिस्तानी को

प्रोफेशनल कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से ज़्यादा मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी। गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत हुई यह फाइट संग्राम सिंह ने महज़ 90 सेकंड में जीतकर सनसनी फैला दी थी। इससे पहले दुबई में एक रेसलिंग बाउट में उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुक़ाबले में शिकस्त दी थी। यह मुक़ाबला दुबई में फरवरी 2024 में आयोजित किया गया था।

संग्राम सिंह की यह चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को ब्यूनस आयर्स में हुए मुक़ाबले में शिकस्त दी थी। यह मुक़ाबला उन्होंने महज एक मिनट 45 सेकंड में अपने नाम करके जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

संग्राम ने ईमानदारी के साथ स्वीकारा

खेल मंत्रालय के फिटनेस आइकन संग्राम सिंह का मुकाबले को लेकर तनाव के सवाल पर कहना है कि बेशक पाकिस्तानियों को हराने का उनके पास तजुर्बा है लेकिन ईमानदारी से कहें तो उन्हें अच्छा खासा तनाव भी है। बीच में तो वह बीमार भी पड़ गए थे। पता नहीं, टेशन इसका कारण था या खाने में थोड़ी बद-परहेजी इसका कारण था।